दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-15 अंक-351 | भोपाल, बुधवार 18 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

ब्रीफ न्यूज

जजों की नियुक्ति को नियंत्रित करना चाहती सरकार

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार जस्टिस वर्मा के महाभियोग के जरिए जजों की नियुक्ति पर नियंत्रण स्थापित करना चाहती है। सिब्बल ने कहा कि सरकार कॉलेजियम व्यवस्था को खत्म

कर नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन को लागू करना चाहती है। वरिष्ठ वकील ने आरोप लगाया कि सरकार जस्टिस वर्मा और जस्टिस शेखर यादव के मामले में पक्षपात पूर्व कार्रवाई कर रही है। कपिल सिब्बल ने कहा कि जस्टिस शेखर यादव पर बीते साल सांप्रदायिक टिप्पणी करने का आरोप है और उनके खिलाफ एक विपक्षी सांसद ने राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन राज्यसभा सभापति ने अभी तक उसकी मंजूरी नहीं दी है।

सत्ता के लिए कुछ लोग भाजपा के साथ गए

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि कुछ व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) के साथ गठबंधन कर अवसरवादी राजनीति में लिप्त हैं। शरद पवार की इस टिप्पणी को उनसे अलग हुए भतीजे अजित पवार के लिए एक संदेश माना जा रहा है। शरद ने यह बयान ऐसे वक्त दिया है जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के फिर से एक होने की अटकलें चल रही हैं। पिंपरी चिंचवाड़ में राकांपा (एसपी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि अवसरवाद की ऐसी राजनीति को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता।

भाजपा सांसद ने कहा- हम दिल्ली को लंदन-पेरिस नहीं बना सकते

नई दिल्ली। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने मंगलवार को कहा कि वे दिल्ली को लंदन और पेरिस नहीं बना सकते। दिल्लीवासियों

को सबसे बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास अवश्य किया जाएगा। पिछली केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को लंदन-पेरिस बनाने का झूठा दावा किया था, लेकिन बाद भी दिल्ली जगह-जगह पर डूबती दिखाई पड़ी। दिल्ली में भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार बनने के साथ ही दिल्ली को बेहतर बनाने का काम शुरू किया जा चुका है और इसे लगातार आगे बढ़ाया जाएगा।

कोच्चि से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान को बम की धमकी

नई दिल्ली। केरल के कोच्चि से दिल्ली आ रही इंडिगो के विमान की नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी है। विमान को बम की धमकी मिलने के बाद एहतियातन यह कदम उठाया गया। विमान सुरक्षित तरीके से लैंड कर

गया है। यात्रियों को विमान से उतारकर जांच की जा रही है। फिलहाल विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जानकारी के मुताबिक, विमान 6श-2706 कोच्चि से सुबह 9.11 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। इसका दिल्ली में लैंड करने का समय दोपहर 12.35 बजे था। इस बीच दो घंटे 43 मिनट हवा में रहने के बाद विमान को सुबह 11.54 बजे नागपुर में उतारा गया।

जी7 ने किया इजरायल का समर्थन, कहा- ईरान के पास किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार न हो

नई दिल्ली,एजेंसी।

कनाडा के अल्बर्टा राज्य के कैननास्किस में चल रही जी 7 समिट में इजराइल-ईरान तनाव का असर दिख रहा है। समिट के पहले दिन जी7 देशों ने इजराइल का समर्थन किया। मंगलवार सुबह साझा बयान में कहा गया कि इजराइल को अपनी आत्मरक्षा करने का अधिकार है। ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समिट को बीच में छोड़कर अमेरिका रवाना हो गए हैं।

व्हाइट हाउस ने बताया कि मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते ट्रम्प ने यह फैसला लिया है। इस बीच ट्रम्प ने कहा, मैं सीजफायर के लिए वॉशिंगटन नहीं लौट रहा हूं। बात उससे कहीं बड़ी है। इससे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर

लिखा- ईरान को परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए। ईरान न्यूक्लियर हथियार नहीं रख सकता है। मैंने यह बार-बार कहा है! सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए। नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर इजरायल का खुलकर समर्थन किया तो ईरान को नसीहत दी है। जी7 नेताओं का कहना है कि ईरान किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार नहीं रख सकता।

भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया

भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे। भारतीय समुदाय के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया विश्व मंच पर भारत के उचित स्थान प्राप्त करने पर भारतवंशियों के नारे, जयकारे और तिरंगे लहराना हर भारतीय के गर्व को दर्शाता है।

रक्षाबंधन पर लाडली बहनों को मिलेंगे 250 रुपए अतिरिक्त

प्रमोशन नीति को मंजूरी, 4 लाख कर्मचारियों को होगा फायदा, आंगनबाड़ी में होगी भर्ती

मेट्रो खबर,भोपाल।

डॉ. मोहन कैबिनेट की बैठक में मध्य प्रदेश के कर्मचारी हित में बड़ा फैसला लिया गया है। प्रदेश में 9 साल बाद प्रमोशन का रास्ता खुला है। इससे चार लाख कर्मचारियों को फायदा होगा। 459 नए आंगनबाड़ी केंद्र को भी मंजूरी मिली है। आंगनबाड़ी सहायिका और कार्यकर्ताओं की भर्ती की जाएगी। रक्षाबंधन पर लाडली बहनों को 250 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी।

मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मोहन कैबिनेट की बैठक हुई। जिसमें कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। एमपी में 9 सालों के बाद प्रमोशन का रास्ता साफ हुआ है। कैबिनेट ने प्रमोशन नीति को मंजूरी दी है। इससे चार लाख कर्मचारियों को फायदा होगा। इसमें स्थ-स्ञ सहित सभी वर्ग के कर्मचारियों-अधिकारियों के हितों का ध्यान रखा गया है। इसके माध्यम से पदोन्नति के बाद शासकीय सेवाओं में 2 लाख पद रिक्त होंगे और इन पर नये सिरे से भर्ती की संभावना बनेगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि आरक्षण का ध्यान रखा गया है। एससी के लिए 16 प्रतिशत, एसटी के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण रहेगा। वरिष्ठता के तहत मेरिट के आधार पर पदोन्नति की जाएगी। अग्रिम डीपीसी का प्रावधान किया गया है। पात्रता का भी प्रावधान है। पदोन्नति समिति को अधिकार दिए गए है। 6 महीने की CR को सालभर मानी जाएगी। प्रतिनियुक्ति के खाली पद पर प्रमोशन होगा। सभी खाली पदों पर प्रमोशन किए जाएंगे। इससे 2 लाख रिक्त पद सृजित होंगे और नई भर्ती के दरवाजे खुलेंगे।

आंगनबाड़ी केंद्र की मंजूरी, सहायिका-कार्यकर्ताओं की होगी भर्ती

साथ ही 459 नए आंगनबाड़ी केंद्र को मंजूरी मिली है। आंगनबाड़ी 2.0 के तहत 459 नई आंगनबाड़ी स्थापना होगी। आंगनबाड़ी सहायिका और कार्यकर्ताओं की भर्ती भी की जाएगी। केंद्र सरकार 72 करोड़ और राज्य सरकार 70 करोड़ देगी। डॉ. मोहन कैबिनेट में बिजली कंपनियों को अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 5163 करोड़ राशि की स्वीकृति दी गई है। जिससे प्रदेश में बिजली आपूर्ति और बेहतर हो सके। प्रदेश में मूंग और उड़द को समर्थन मूल्य पर खरीद जा रहा है। 27 जून MSME दिवस है। रतलाम में समिट आयोजित होगी। 7 जुलाई को राष्ट्रीय इंटरएक्टिव सेशन लुधियाना में होगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मध्य प्रदेश सरकार हर जिले में कार्यक्रम आयोजित करेगी। सभी नगर निगमों से लेकर तहसील, विकासखंड, नगर पंचायतों से लेकर ग्राम पंचायतों के साथ पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास होगा।

नगर निगम अधिकारी के यहां ईओडब्ल्यू का छापा, बंगले और दफ्तर तक पहुंची टीम, आय से अधिक संपत्ति का मामला

नई दिल्ली,एजेंसी।

इंदौर नगर निगम में वर्षों से उद्यान विभाग का काम देख रहे अधिकारी चेतन पाटिल के यहां आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने छापा मारा है। अधिकारी के यहां बड़ी मात्रा में छुपाई गई संपत्ति का पता चला है। अफसरों की टीम पाटिल के बंगले के अलावा उनके कार्यालय तक भी पहुंची।

बता दें कि चेतन पाटील का गुलमोहर कॉलोनी में 1000 स्क्वायर फीट से अधिक का 3 मंजिला आलीशान बंगला है, जांच में लग्जरी कार की भी जानकारी मिली है

पाटिल के खिलाफ लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायत मिल रही थी। मंगलवार सुबह एक टीम ने पाटिल के गुलमोहर कॉलोनी के आवास पर छापा मारा, जबकि दूसरी टीम नगर निगम में उनके कार्यालय पहुंची और केबिन में दस्तावेज खंगाले। पाटिल फिलहाल निगम में सहायक अधीक्षक है। टीम को पता चला है कि पाटिल को अब तक की सेवा में जितनी पगार मिली। उससे अधिक संपत्ति उन्होंने जुटाई है। वर्षों से पाटिल इंदौर नगर निगम में जमे हुए हैं और महत्वपूर्ण पदों पर रहें। चेतन कुछ भाजपा नेताओं के भी करीबी माने जाते हैं। फिलहाल वे सहायक उद्यान अधिकारी के रूप में काम देख रहे हैं। टीम को पाटिल के यहां आय से अधिक संपत्ति मिलने की आशंका है।

टीम को पता चला है कि पाटिल को अब तक की सेवा में जितनी पगार मिली। उससे अधिक संपत्ति उन्होंने जुटाई है। पाटिल के खिलाफ लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायत मिल रही थी। वर्षों से पाटिल इंदौर नगर निगम में जमे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पाटिल और उनके परिजनों की संपत्तियों में दो भूखंड, तीन मंजिलों का एक मकान, 1.14 लाख रुपये की नकदी और 20 लाख रुपये के जेवरात शामिल हैं, जबकि उनके बैंक खातों में करीब 40 लाख रुपये जमा हैं।

मरीज के पेट में चम्मच, 30 मिनट में निकाली आठ सेमी लंबी स्पून, दुर्लभ मामले में डॉक्टरों ने किया कमाल

नई दिल्ली,एजेंसी।

शालीमार बाग स्थित निजी अस्पताल में एक 30-वर्षीय पुरुष की दुर्लभ और असामान्य मेडिकल इमरजेंसी की गई। डॉ. रमेश गर्ग, सीनियर डायरेक्टर एवं एचओडी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के डॉक्टरों की टीम ने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी प्रक्रिया को 30 मिनट में किया गया और मरीज को अगले ही दिन स्थिर हालत में अस्पताल से छुट्टी दी गई। मरीज की शुरूआती जांच के बाद इमरजेंसी विभाग को

रेफर किया गया था। जब मरीज यहां आए थे तो उनकी हालत स्थिर दिखायी दे रही थी। यहां उनके पेट के एक्स-रे समेत तत्काल डायग्नॉस्टिक इमेजिंग की गई, जिससे पता चला कि उनकी आंत के ऊपरी हिस्से में एक धातु का चम्मच फंसा हुआ था। मरीज की एनेस्थीसिया में तत्काल इमरजेंसी अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी की गई। सर्जिकल टीम ने फोरसेप की मदद से सावधानीपूर्वक मरीज के पेट से चम्मच निकाला। इस सर्जरी के बाद उन्हें 24 घंटे तक निगरानी में रखा गया।

ईरान का इजराइल के मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला मिलिट्री इंटेलिजेंस की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया

नई दिल्ली,एजेंसी।

इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है।

इजराइली हवाई हमले में ईरान के नए वॉर चीफ मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें 13 जून को इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद

की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

ईरान के आसमान पर पूरी तरह नियंत्रण

इस्राइल-ईरान तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, अब हमारा ईरान के आसमान पर पूरी तरह नियंत्रण है। उनका यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब इस तरह की अटकलें तेज हुई हैं कि क्या अमेरिका ईरान पर इस्राइल के हमलों में शामिल होगा या नहीं? ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टरुथ सोशल' पर लिखा, अब हमारे पास ईरान के आसमान पर पूर्ण और पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने अमेरिका में बने हथियारों की तारीफ की, हालांकि उन्होंने इस्राइल का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया।

परिवर्तन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की पुनरूद्धार कार्य की सराहना

उज्जैन में रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को मिला नवजीवन

मेट्रो खबर,भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुरानी जल-संरचनाओं को फिर से उसी स्वरूप में लाने के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने उज्जैन की रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को नवजीवन के साथ पुरानी वैभव भी लौटाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस शानदार कार्य की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने उज्जैन प्रवास के दौरान चिंतामण स्थित लक्ष्मी बावड़ी पहुंचे थे और बावड़ी उत्सव में शामिल होकर जीर्णोद्धार कार्य की शुरूआत पूजन करके की थी। उज्जैन में

चिंतामण मंदिर स्थित लक्ष्मण बावड़ी का भी साफ-सफाई, रंगरोगन और पुनरुद्धार कार्य किया गया। प्राचीन लक्ष्मण बावड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पौराणिक स्थल है। इस बावड़ी का उल्लेख कई प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। जन आस्था के अनुसार इसके जल को पवित्र और चमत्कारी माना जाता रहा है। यह बावड़ी रामायण काल से आज तक उज्जैन की धरती पर स्थित है और स्थानीय जनआस्था का केन्द्र बनी रही है। लेकिन समय के साथ रखरखाव की कमी के चलते यह अपना मूल स्वरूप खो चुकी थी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लक्ष्मण बावड़ी में किए गए कार्य के बाद बावड़ी को पुनर्जीवन मिला। भागीरथी प्रयासों से आज यह प्राचीन बावड़ी फिर से अपने पौराणिक स्वरूप में लौट आई है और आस्था के केन्द्र के रूप में पुन: स्थापित हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं बावड़ी उत्सव के दौरान इसी स्थान पर पहुंचे, उन्होंने बावड़ी का निरीक्षण, पूजन किया और जल संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लाखों जल संरचनाओं को जीर्णोद्धार कर पुनर्जीवन प्रदान किया गया है।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद हॉस्टल की तीसरी मंजिल से कूदते दिखे छात्र, वायरल हो रहा डरावना वीडियो

नई दिल्ली,एजेंसी।

गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण चपेट में आए मेडिकल हॉस्टल से छात्रों के कूदने का डरावना वीडियो सामने आया है। इन वीडियो में छात्र हॉस्टल की तीसरी मंजिल से चादर और बालकनी में लगी लोहे की जाली से कूद रहे हैं।

हालांकि इन वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बता दें कि, एअर इंडिया का विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ मिनट ही बाद रिहायशी इलाके में

मौजूद मेडिकल हॉस्टल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

12 जून को हुए इस हादसे के दौरान विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की मौत हो गई। वहीं मेडिकल हॉस्टल पर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण हॉस्टल और आसपास मौजूद तकरीबन 30 लोग भी इस हादसे का शिकार हुए हैं। बता दें कि, एअर इंडिया के इस विमान में 169 भारतीय नागरिक, 52 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार था।

हादसे के बाद डीएनए के जरिए शवों की जांच : इस हादसे के बाद विमान में आग लगी और घटनास्थल में तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे लोगों के शव बुरी तरह झुलस गए। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल घटनास्थल का दौरा किया।

मुख्यमंत्री द्वारा लाड़ली बहना योजना व गैस सिलेण्डर रिफिल योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को राशि का अंतरण

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सोमवार को जबलपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र बरगी के ग्राम बेलखेड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के माध्यम से लाड़ली बहना योजना की 25वीं किस्त, गैस सिलेंडर रिफिल योजना की राशि एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की मासिक सहायता राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की। इस अवसर पर उन्होंने सभी बहनों को बधाई और शुभकामनाएँ भी दीं। छिंदवाड़ा जिले की 3.22 लाख बहनों को मिले 38.35 करोड़ रुपए- मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की जून माह की 1250 रुपए की मासिक सहायता राशि के अंतर्गत छिंदवाड़ा जिले की 3.22 लाख बहनों को कुल 40.34 करोड़ रुपए तथा पांडुर्णा जिले की 69917 बहनों को 7.39 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई।

छिंदवाड़ा व पांडुर्णा जिले के हितग्राहियों को मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत राशि का वितरण- मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत छिंदवाड़ा जिले के 177 हितग्राहियों को

छिंदवाड़ा जिले की 3.22 लाख लाड़ली बहनों के खातों में आए 40.34 करोड़ पांडुर्णा जिले की 69917 लाड़ली बहनों के खातों में आए 7.39 करोड़

जून माह की 3,81,00,000 रुपए तथा पांडुर्णा जिले के 56 हितग्राहियों को 1,19,00,000 रूपये रुपए की राशि प्राप्त हुई।

कलेक्टर कार्यालय में देखा गया सीधा प्रसारण- इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्टर कार्यालय छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में लाभान्वित हितग्राहियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में देखा व सुना गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, श्री शेषराव यादव, श्री विजय पांडे, श्री अजय सक्सेना, श्री धर्मेन्द्र मिगलानी, श्री भरत घई व अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रभारी एडीएम श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास छिंदवाड़ा, श्रम पदाधिकारी छिंदवाड़ा सहित अन्य अधिकारी व लाभार्थी लाडली बहनें और पेंशनर्स उपस्थित थे। जिले की सभी 12 परियोजनाओं और आंगनवाड़ी केंद्रों में भी कार्यक्रम का वेबकास्ट द्वारा सीधा प्रसारण किया गया।

अल्पवर्षा ने खोली स्वछता की पोल

आगर मालवा। आगर नगर भोगोलीक द्रष्टि से परीपूर्ण है यहां कि बसावट घाटीनुमा होने से अधिकांश बारिश का पानी नालियों में अपने आप जगह बनाकर बहकर निकल जाता है। फिर भी नगर में कई जगह पानी के गडडे भरे हुवे दिखाई दे रहें है। गोरतलब है कि छावनी नाके पर आगर-सारंगपुर मार्ग पर डामर सडक के आस-पास शोल्डर में बडे गडडे होने से पानी भरा होने से आम नागरिकों को आवा जाही में परैशानियों का सामना करने पर मजबुर होना पढ रहा है। पैदल चालक जब आवा जाही करता है ओर बाईक चालक, फोर व्हीलर व बडे वाहन जब इस मार्ग से गुजरते है तो पैदल चालक बडे ही सम्हलकर रासता पार करना पडता है और वाहनों से छीटे उडने व कपडे खराब होने का भी डर बना रहाता है। साथ ही इन गडडों में पानी भरा होने से इन में कई प्रकार के मच्छर वैक्टेरियॉ रहने से आसपास के रहवासियों के लिए बिमारी का खतरा मनडराता रहता है।

सुंदरकाण्ड पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला 'सुतीक्ष्ण'

सीधी।

कार्तिकेय मंदिर में 108 सुंदरकांड करने का हुआ संकल्प श्री गुरु बजरंग संघ मातृशक्ति प्रदेश संयोजिका श्रीमती गुडिया पाण्डेय के मनसा अनुसार मंदिर व्यवस्थापक शिवकुमार सिंह चौहान के मार्गदर्शन में भारत हिंदू राष्ट्र एवं गुरुकुल की स्थापना के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सामूहिक रूप से 108 सुंदरकांड का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सभी श्रद्धालु भक्तगण अपनी सहभागिता निभा सकते हैं। सुंदरकांड का महत्व देखते हुए प्रकाश डाला गया। सुतीक्ष्ण मिश्रा पंडित ने बताया महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य रामचरित मानस का पंचम सोपान है सुंदरकाण्ड। सुंदरकाण्ड में रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है। इसलिए सुंदरकाण्ड के नायक श्री हनुमान हैं। संयोजिक श्रीमती गुडिया पाण्डेय ने बताया की अब सवाल यह उठता है कि सुंदरकाण्ड का नाम सुंदरकाण्ड क्यों रखा गया। दरअसल, हनुमानजी, सीताजी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमानजी और सीताजी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदरकाण्ड रखा गया। सुन्दर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी। इसी अशोक वाटिका में ही हनुमानजी और सीताजी का मिलन हुआ था।

प्रमुख संक्षिप्त

सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों से उत्कृष्ट विद्यालय में बढ़ी 50 सीटें

छिंदवाड़ा। उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा में कक्षा ग्यारहवीं मैथ्स में सीटें कम होने से विद्यार्थियों को प्रवेश लेने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसे लेकर पिछले दिनों विद्यार्थियों एवं पालकों ने सांसद बंटी विवेक साहू से मुलाकात करते हुए उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा में मैथ्स में सीटें बढ़ाने का निवेदन किया था। जिसे गंभीरता से लेते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने शिक्षा मंत्री सहित अधिकारियों संपर्क करते हुए उन्हें पत्र प्रेषित कर उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा में मैथ्स क्लॉस की सीटें बढ़ाने के लिए अनुरोध किया था। सांसद श्री साहू के प्रयासों से उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा में कक्षा ग्यारहवीं मैथ्स में पचास सीटें बढ़ाई जाने के आदेश हो गये है। जिसका सीधा लाभ उत्कृष्ट विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि मैथ्स के प्रति विद्यार्थियों के बढ़ते रूझान के कारण कक्षा ग्यारहवीं में मैथ्स लेने के लिए विद्यार्थियों की वेटिंग लिस्ट बढ़ती जा रही थी। उत्कृष्ट विद्यालय में इस वर्ष घोषित हुए बारहवीं बोर्ड के परिणामों में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रर्दशन करते हुए जिले सहित प्रदेश की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त किया था। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विशेषकर मैथ्स विषय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए थे। उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा में कक्षा ग्यारहवीं मैथ्स में पचास सीटें बढ़ाए जाने पर विद्यार्थियों सहित उनके पालकों ने सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

गौ रक्षा हेतु ऐतिहासिक पदयात्रा दिल्ली की ओर अग्रसरः 33 दिन में पहुंचेगी राजधानी।

परमहंसी, गोटेगांव गौ माता की रक्षा के पुनीत उद्देश्य से परमहंसी, गोटेगांव से एक ऐतिहासिक पदयात्रा का शुभारंभ हो गया है, जो 33 दिनों में देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेगी। यह पदयात्रा जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज के पावन मार्गदर्शन में चल रही है और करपात्री जी महाराज के अथक प्रयासों से शुरू हुए गौ रक्षा आंदोलन को एक नई गति प्रदान करने वाली है। इस आंदोलन का मुख्य नारा है, 卐अब समय मुर्दों को भी जगाने का है,卐 जो देशवासियों को गौ रक्षा के पुनीत कार्य में जागृत होने का आह्वान कर रहा है। यह पदयात्रा केवल एक शारीरिक यात्रा नहीं, बल्कि गौ माता के प्रति जनमानस में चेतना जगाने का एक सशक्त माध्यम है। पदयात्रा में देश के विभिन्न कोनों से संत-महात्मा, समाज सेवी और गौ भक्त शामिल होकर अपनी श्रद्धा और समर्पण का परिचय दे रहे हैं। इस पदयात्रा का मूल उद्देश्य गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गौ संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने के लिए सरकार और समाज पर दबाव बनाना है। पदयात्रा के माध्यम से गौ माता के महत्व, उनके वैज्ञानिक, धार्मिक और आर्थिक लाभों के बारे में जन-जन को जागरूक किया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि गौ माता की रक्षा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की समृद्धि और पर्यावरण संतुलन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

दुर्गेश बैगा ने की पत्नी इंद्रावती की डंडों से पिटाई , मौत

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 जमुना दादर निवासी दुर्गेश बैगा ने 15 जून 25 दिन रविवार शाम 4 बजे पत्नी इंद्रावती बैगा की डंडा से पैसों के विवाद रखरखाव के चलते जमकर डंडे से की पिटाई पत्नी इंद्रावती की हुई मौत। वार्ड क्रमांक 15 जमुना दादर अमरकंटक निवासी जय लाल बैगा पिता सेम लाल बैगा उम्र 34 वर्ष में आज सुबह 8:- बजे थाना अमरकंटक में आकर रिपोर्ट किया कि मैं मजदूरी का काम करता हूं कल दिनांक 15 जून 25 दिन रविवार करीब 4:00 बजे शाम को मैं संतोषी बाई राय सिंह तथा दुर्गेश बैगा सभी लोग दुर्गेश बैगा के घर के बाहर बिही के पेड़ के नीचे बैठे थे उसी समय दुर्गेश की पत्नी इंद्रावती बैगा वहां पर आई जो शराब पिए हुए थी दुर्गेश बेगा ने अपनी पत्नी इंद्रावती से पूछा कि जो मजदूरी का पैसा 1800 रुपए मैंने तुमको रखवाया था।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिला मुख्यालय की समस्त पुलिस शाखाओं की समीक्षा

टीकमगढ़

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा आज दिनांक 16 जून 2025 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिला मुख्यालय स्थित समस्त पुलिस शाखाओं एवं एसपी कार्यालय के समस्त शाखाओं के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यालयीन कार्यप्रणाली में और अधिक पारदर्शिता, तत्परता एवं अद्यतनता सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर मंडलोई द्वारा सभी शाखा प्रभारियों से उनके विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा यह निर्देशित किया गया कि वे अपनी-अपनी शाखाओं का कार्य नियमित रूप से अपडेट रखें।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कर्मचारियों से उनके कार्य क्षेत्र में आने वाली समस्याओं के बारे में भी

जानकारी प्राप्त की। कई मुद्दों का मौके पर ही समाधान कर एक समावेशी और उत्तरदायी कार्य प्रणाली को बढ़ावा दिया गया।

दिशा-निर्देशः-

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने कार्य में अधिक सजगता और संवेदनशीलता बरतें, जिससे आमजन को त्वरित और प्रभावी सेवा उपलब्ध हो सके।

भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा- समीक्षा बैठक में आगामी समय में शाखाओं की कार्यप्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर भी चर्चा की गई।

यह बैठक कार्यकुशलता को बढ़ावा देने तथा पुलिस प्रशासन को अधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाने की दिशा में आयोजित की गई ।उपरोक्त समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम,रक्षित निरीक्षक कनक सिंह चौहान,स्टेनो रत्नेश तिवारी,भगीरथ प्रजापति,मुख्य लिपिक किशनदयाल कुशवाहा,उप निरीक्षक मयंक नगाइच,प्रमोद शर्मा,रामाधार त्रिपाठी,सहायक उपनिरीक्षक उमाकांत तिवारी,माया जैन,लक्ष्मी कड़ा,अंकित खरे ,विवेक त्रिपाठी,गौरव घोष,चंद्रभान रायकवार,गीता भट्ट,प्रधान आरक्षक राजेश्वर त्रिपाठी,रानू विश्वकर्मा सहित जिला मुख्यालय के पुलिस अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय मोटर सायकल चोर गिरोह का खुलासाः 02 वाहन चोरो से 05 लाख रूपये कीमती 08 मोटर सायकल जप्त

अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोतीउर रहमान की निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य में सक्रिय अंतर्राज्यीय मोटर सायकल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियो को गिरफ्तार कर चोरी की आठ मोटर सायकलें जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। टी.आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक गोविन्द पनिका, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, प्रधान आरक्षक महेन्द्र राठौर, चालक प्रधान आरक्षक खेमराज मार्को, आरक्षक अब्दुल कलीम की टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुकेश कुमार पटेल पिता उमेश पटेल उम्र करीब 34 साल निवासी पसला थाना कोतवाली अनूपपुर से बिना नम्बर की चोरी की मोटर सायकल काले नीले रंग की सुपर स्पलेण्डर प्लस चेचिस नम्बर MBLJAOSEGB9M10256 ले जाते हुए पकड़ा जाकर पूछताछ की गई जो उक्त मोटर सायकल छत्तीसगढ़ से चोरी करना स्वीकार किया। कोतवाली पुलिस द्वारा पकड़े गये आरोपी से पूछताछ करने पर रमाशंकर विश्वकर्मा पिता हरिलाल विश्वकर्मा उम्र करीब 35 साल निवासी ग्राम बिजौड़ी थाना कोतवाली अनूपपुर से चोरी की अन्य 07 मोटर सायकल काले नीले सफेद रंग का हीरो होण्डा स्पलेण्डर रजिस्ट्रेशन क्रमांक MP18MA1646 चेचिस नम्बर MBLHA12EF89L0065, काला लाल रंग की बिना number की पल्सर मोटर सायकल रजिस्ट्रेशन क्रमांक चेचिस नम्बर MD2A11CZ1GRK06011, काले रंग की बिना नंबर की पल्सर मोटर सायकल चेचिस नम्बर MD2A11CZ0FWS30656, काले कलर की XCD 125 मोटर सायकल चेचिस नम्बर MD2D5JBZZR-WD39774 हीरो होण्डा स्पलेण्डर मोटरसायक रजिस्ट्रेशन CG16/3459 चेचिस नम्बर 02A20C11455, बिना नम्बर का लाल कलर की टीवीएस मोटर सायकल चेचिस नम्बर MD625NF1581H36120, हीरो होण्डा सीडी डीलक्स मोटर सायकल चेचिस नम्बर MBLHA11EH99K25730 कुल कीमती 05 लाख रूपये की इस्तगासा क्रमांक 05/25 धारा 35(1) बी.एन.एस.एस., 303(2), 317(2) बी.एन.एस. में जप्त की गई है। कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से चोरी की जप्तशुदा मोटर सायकलों के संबंध में पूछताछ की जा रही है जो उक्त मोटर सायकल जिला अनूपपुर एवं शहडोल सहित छत्तीसगढ़ के पेण्ड्रा, मनेन्द्रगढ़ एवं गौरेला से चोरी करना स्वीकार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी के द्वारा टी. आई. कोतवाली अरविन्द जैन एवं टीम को पुरूष्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

प्रशासकीय सुविधा हेतु छिंदवाड़ा जिले में 101 राजस्व कर्मियों के स्थानांतरण आदेश जारी

छिन्दवाड़ा। सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित नवीन स्थानांतरण नीति के तहत जिले में पदस्थ राजस्व विभाग के कर्मचारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। स्थानांतरण बोर्ड की अनुशंसा उपरांत कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा प्रशासकीय कार्य की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पटवारी संवर्ग के 79, संयुक्त जिला कार्यालय सहायक (जु.ड़ा.ए.आॅ.) संवर्ग के 1, राजस्व स्थापना के 18 तथा राजस्व निरीक्षक संवर्ग के 3 कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थानों पर तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करते हुए आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है।

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि स्थानांतरण आदेश जारी होने की तिथि से एक सप्ताह के भीतर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार स्थानांतरित कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से कार्यमुक्त करें। कार्यमुक्ति के उपरांत संबंधित कर्मचारी का वेतन प्रमाण-पत्र नवीन पदस्थापना कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए तथा उनका वेतन नवीन स्थान से ही आहरित किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि कार्यमुक्ति पश्चात संबंधित कर्मचारियों की सेवापुस्तिका एवं व्यक्तिगत नस्ती तत्काल नवीन कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें। स्थानांतरण आदेश के अनुपालन में यदि कोई कर्मचारी बिना युक्तिसंगत कारण के अनुपस्थित रहता है या बिना अनुमति के अवकाश पर जाता है, तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनभागीदारी से जल संरक्षण के तेजी से हो रहे है काम

भोपाल।

प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गये हैं। जिलों में अब इन कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी के साथ तालाब गहरीकरण, सोखता गड्ढ़ों का निर्माण सहित अन्य कार्य जनभागीदारी से तेज गति से किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन के कामों के प्रति जनसामान्य को दीवार लेखन सहित अन्य गतिविधियों से जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में आगामी वर्षा के मौसम को देखते हुए जल स्त्रोतों के आस-पास व्यापक पौधरोपण की योजना भी तैयार की गई है।

थाना प्रभारी बदलते ही पकड़ाए अवैध कोयला कारोबारी, तीन ट्रक जप्त करने की कार्यवाही से मचा हड़कंप

सीधी।

थाना बहरी पुलिस द्वारा अवैध कोयला परिवहन कर रहे तीन ट्रकों पर कार्यवाही कर अवैध कोयला सहित लगभग 87 लाख रुपए का मशरुका जप्त किया गया है। थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय के नेतृत्व में 16 जून 2025 को बहरी पुलिस द्वारा रात्रि गश्त व कोम्बिंग गश्त के दौरान तीन अलग-अलग कार्यवाहियों में तीन ट्रकों सहित अवैध कोयला जप्त किया गया। थाना प्रभारी बहरी अपने हमराह स्टाफ के साथ कस्बा एवं देहात क्षेत्र में रात्रि गश्त में रवाना हुए थे। इसी दौरान मुखबिर से प्राप्त सटीक सूचना पर पाठक ढाबा, बाईपास बहरी के पास तीन संदिग्ध ट्रकों को रोका गया। चेक करने पर ट्रकों में बिना वैध दस्तावेज के कोयला परिवहन पाया गया। ट्रक क्रमांक यूपी 65 एलटी 0047 के चालक राजकुमार साकेत पिता स्व बालक साकेत

उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम कुवारी विकासनगर थाना पिपरी जिला सोनभद्र उप्र, ट्रक क्रमांक यूपी 64 एटी 3175 के चालक रवि कुमार कश्यप पिता रामदास कश्यप उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम मधुपुर रॉबर्ट्सगंज थाना सुकृरू जिला सोनभद्र उप्र, ट्रक क्रमांक यूपी 64 एटी 2464 चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। उक्त कार्यवाही में कोयला अनुमानित मूल्य 5 लाख रुपए, 3 नग ट्रक जिनकी अनुमानित मूल्य 82 लाख रुपए, कुल मशरूका 87 लाख रुपए लगभग मशरूका जप्त किया गया है। उक्त आरोपियें के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 303(2), 317(5), खान खनिज अधिनियम धारा 4/21, मोटर यान अधिनियम धारा 39, 192, 146, 196, 66, 192 ए, 56, 192, 115, 190(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय, सउनि अवनीश चौधरी, सोहागवती सिंह, आरक्षक प्रभात तिवारी एवं बृजेन्द्र सिंह का सराहनीय योगदान रहा है।

पुष्पांजलि सोशल चैरिटेवल ने मरीजों को बांटा फल फाउंडेशन के सेवा कार्य अनुकरणीयः पुष्पेन्द्र

सीधी।

विगत नौ माह के अधिक समय से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया मे फल एवं विस्किट का वितरण मरीजों को किया जा रहा है। उसी क्रम में आज सोमवार को अस्पताल पहुचे गरीब मरीजो को केला, संतरा के साथ-साथ दशहरी आम तथा ठंडा पानी वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह ने अपने उद्बोधन मे संस्था के पदाधिकारियो को इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं दिया। अध्यक्षता करते हुऐ भाजपा नेता रामनरेश शुक्ल ने गरीबो के हित संवर्धन की बात कही तथा अषाढ सोमवार को इस पुनीत कार्य को किये जाने पर ईश्वरीत्र शक्ति का आशिर्वाद से धन धान्य पर कृपा होना बताया। श्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी गरीब को कोई परेशान करेगा तो फाउंडेशन उसके साथ होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप मे डॉ. साहब, दिलीप पाण्डेय, रामसजीवन गुप्त, राकेश तिवारी, एड. केके गुप्ता, राममिलन शुक्ल, विनीत सिंह, अमित तिवारी, मनीष शुक्ल सहित संस्था के वालेन्टियर पवन तिवारी, भगवान शुक्ल, मनोज शुक्ल, राजेश द्विवेदी, नागेंद्र प्रसाद शुक्ला, सुभाष शुक्ला, राजेंद्र प्रसाद, प्रभु दयाल सोनी, वरुण कुमार मिश्र, रामसुशील शुक्ल, विकाश शुक्ल, चंद्रभान केवट, सुनील शुक्ला व अस्पताल का स्टाफ सैकडो ग्रामीण मरीज उपस्थित रहे।

खास सांसद बंटी विवेक साहू के मार्गदर्शन में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर आयोजित होगा शिविर

सिकल सेल रोगियों के लिए तामिया में 19 को लगेगा निःशुल्क होम्योपैथी स्वास्थ्य शिविर

छिंदवाड़ा। विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को मनाया जायेगा। इस अवसर पर सांसद बंटी विवेक साहू के मार्गदर्शन में सिकल सेल रोगियों के लिए तामिया में होम्योपैथी वेलफेयर एसोसिएशन छिंदवाड़ा के सहयोग से 19 जून को निःशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में आने वाले सिकल सेल रोगियों का उपचार,जांच एवं दवाईयों का निःशुल्क वितरण किया जायेगा।

सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि 2047 तक देश में सिकल सेल रोग को पूरी तरह से समाप्त करना है। इसी उद्देश्य को लेकर छिंदवाड़ा में होम्योपैथी चिकित्सकों के माध्यम से सिकल सेल रोगियों के लिए 19 जून को जनपद पंचायत के पीछे सामुदायिक भवन तामिया में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में आने वाले सिकल सेल रोगियों का उपचार करते हुए उनकी जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व छिंदवाड़ा स्थित पूजा लॉज में सिकल सेल रोगियों के लिए जिला स्तरीय निःशुल्क होम्योपैथिक शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें लगभग दो हजार सिकल सेल मरीजों का पंजीयन करते हुए उनका उपचार,जांच व निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया था। उस दौरान सांसद बंटी विवेक साहू ने घोषणा की थी कि विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर फॉलोअप कैंप का आयोजन तामिया में किया जायेगा। इसी के तहत यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी के साथ ही 22 जून को सिकलसेल रोगियों के लिए पूजा लॉज छिंदवाड़ा में भी सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निःशुल्क होम्योपैथिक शिविर का आयोजन किया गया है।

सिकल सेल रोगियों के लिए कारगर साबित हो रही होम्योपैथी चिकित्सा

होम्योपैथी वेलफेयर एसोसिएशन छिंदवाड़ा की अध्यक्ष डॉ.सपना साहू ने बताया कि सिकल सेल रोगियों के लिए होम्योपैथी चिकित्सा कारगर साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि सिकल सेल रोगियों द्वारा नियमित रूप से होम्योपैथिक दवाईयों का सेवन करने से रोगियों को लाभ मिल रहा है। होम्योपैथी दवाईयों के सेवन से सिकल सेल रोगियों को बार-बार होने वाली तकलीफ जैसे सिकल सेल क्राइसिस,हाथ पैर दर्द, पेट दर्द, बार-बार सर्दी खांसी और कमजोरी होने में काफी हद तक कमी आ रही है। इन मरीजों में रक्त की बहुत कमी हो जाती है और उन्हें बार-बार ब्लड ट्रांसफ्यूजन करना पड़ता है। उसमें भी कमी आ रही है। नियमित दवाईयों का सेवन करने से मरीज बार-बार बीमार नहीं पड़ते है। उन्होंने सिकल सेल रोगियों से अपील की है कि वे इस शिविर में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाए।

संक्षिप्त समाचार

छिंदवाडा मार्ग पर तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से घायल संतोष की मौत

परासिया। छिंदवाडा मार्ग पर चक्की नाले के समीप दो जून को तेज रफ्तार स्कूटी सवारों ने अधेड को दो बार टक्कर मारी। इस टक्कर में चांदामेटा निवासी संतोष मालवी गंभीर रूप से घायल हुए थे। लंबे चले उपचार के बाद उनका निधन हुआ। मंगलवार को चांदामेटा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। दुर्घटना के एक पखवाडे में पुलिस दुर्घटना का कारण बने स्कूटी सवारों को नहीं तलाश पाई है। घायल को उपचार के लिए छिंदवाडा रिफर किया गया था। यहां से नागपुर रिफर किया गया था। दुर्घटना वाले दिन संतोष अपनी स्कूटी से लोहा लेने परासिया गए थे। सडक पार समय उन्हें एक स्कूटी सवार ने टक्कर मारा। उसके पीछे आ रहे दूसरे स्कूटी चालक ने भी टक्कर मारा। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए थे। चांदामेटा निवासी संतोष मालवी के घर काम चल रहा था। अपने मिस्त्री नवीन पंचेश्वर के साथ वे लोहा खरीदने परासिया आए थे।

बारिश में जल जमाव राकने नगर पालिका के प्रयास तेज

परासिया। बारिश में जल भराव को रोकने नगर पालिका ने प्रयास तेज कर दिए है। मंगलवार को परासिया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवी, उपाध्यक्ष महेश सोमकुंवर ने नगर के वार्ड क्रमांक 12 और वार्ड क्रमांक दो का दौरा किया। इस दौरान नालियां बनाने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, उपाध्यक्ष महेश सोमकुंवर वार्ड में पहुंचे। स्थानीय पार्षद सभापति सुषमा चौरसिया, रुकमा बंसोड इस दौरान उपस्थित रहे। वार्ड क्रमांक दो में महाराणा ढाबे के पीछे के इलाके के उन्होंने निरीक्षण किया। यहां नाली बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा आराधना कान्वेंट के समीप भी नाली निर्माण करने के लिए उन्होंने कहा। वार्ड क्रमांक 12 का भी उन्होंने निरीक्षण किया। नाले की बाढ से क्षति न हो इसको लेकर उन्होंने निर्देश दिए। बारिश से पहले सभी नाले साफ किए जा चुके है। बाढ की स्थित बनने पर राहत कार्य आदि को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान दीपक राय, सलीम खान आदि उपस्थित रहे।

जनपद परासिया में संबल योजना के 49 हितग्राही को मिली राशि

परासिया। जनपद पंचायत परासिया के 49 हितग्राही को एक करोड़ 8 लाख रुपए खाते में डालें गए। इनमें से 44 हितग्राही सामान्य मृत्यु प्रत्येक को 2 लाख एवं दुर्घटना से मृत्यु 5 हितग्राही प्रत्येक को 4 लाख रुपए सिंगल क्लिक के माध्यम से खाते में डाले गए ।कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष जमील खान मोनिका झारिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी संभ्बल के प्रभारी रविंद्र खोपरागड़े पंचायत इंस्पेक्टर दीपा पाटिल जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा 31 केंद्रों पर शुरू,पहले दिन हिंदी हुआ पेपर

रायसेन। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और 12वीं की द्वितीय अवसर परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई है। जिले में कुल 31 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस परीक्षा में कक्षा 10वीं के 7 हजार 559 और कक्षा 12वीं के 4 हजार 594 विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित की गई है। विद्यार्थियों को 8:40 बजे से परीक्षा केंद्रों में एंट्री दी गई। उत्तर पुस्तिकाएं 8:50 बजे और प्रश्न पत्र 8:55 बजे वितरित किए गए। कक्षा 10वीं की परीक्षा 17 से 26 जून तक चलेगी। कक्षा 12वीं की परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार,मुख्य परीक्षा में एक या ज्यादा विषयों में असफल या अनुपस्थित रहे विद्यार्थी सभी विषयों की परीक्षा दे सकते हैं।

रायसेन में मिलीं गुना से लापता हुई नाबालिग लड़कियां

रायसेन। गुना जिले के आरोन थाना क्षेत्र से लापता हुई दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने रायसेन से बरामद कर लिया है। 14 और 17 वर्षीय दोनों सहेलियां शुक्रवार को बिना बताए घर से घूमने निकल गई थीं। राघौगढ़ एसडीओपी दीपा डोडवे के मार्गदर्शन में आरोन थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह कुशवाह की टीम ने तकनीकी संसाधनों की मदद से लड़कियों की तलाश की। रायसेन से मिली सूचना के बाद पुलिस टीम वहां पहुंची और दोनों को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में लड़कियों ने बताया कि वे घर से घूमने के लिए आरोन से गुना होते हुए ट्रेन से अजमेर पहुंचीं। वहां एक दिन रुकने के बाद भोपाल आईं और फिर रायसेन पहुंच गईं। पुलिस ने दोनों को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया है। बरामदगी में थाना प्रभारी रितुराज सिंह कुशवाह के अलावा एसआई सीपी दीक्षित,एएसआइ रामकृष्ण रघुवंशी,प्रधान आरक्षक दिनेश शर्मा,रविन्द्र रघुवंशी,राममोहन दुबे,आरक्षक कमलेश कुमार,महिला आरक्षक पूजा यादव और साइबर सेल से आरक्षक कुलदीप यादव की टीम शामिल रही।

साहब मुझे जिंदा घोषित कर दो

खुद को जिंदा साबित करने जनपद पंचायत पहुंचा कागजों में मृत आदमी

परासिया। जनपद पंचायत परासिया में मंगलवार को एक अनोखा मामला सामने आया। दमुआ रैय्यत पंचायत के गौरपानी माल का निवासी उदयचंद उईके खुद को जिंदा साबित करने की गुहार लेकर अधिकारियों के सामने पहुंचा। पंचायत की गलती से पांच साल पहले समग्र आईडी से उसे मृत बताकर डिलिट कर दिया गया। अब वह खुद को जिंदा साबित करने के लिए कागज लेकर घूम रहा है।

मंगलवार को वह कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचा। यहां से उसे जनपद पंचायत की सीईओ के पास भेजा गया। अब उसे जिंदा करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। उदयचंद उईके ने बताया कि वह गौरपानी माल में रहता है। पेंशन और अन्य कार्यों के लिए केवाईसी कराने वह पहुंचा तो पता लगा कि वह मर चुका है। मृत बताकर समग्र आईडी से उसका नाम डिलिट कर दिया गया। कागजों में मृत होने से उसे जबरदस्त परेशानियों का सामना करना पड रहा है। राशन मिल नहीं रहा है। उसके घर में आंगनबाडी किराए पर चलती है। उसका किराया खाते में नहीं आ रहा है। केवायसी अपडेट नहीं हो रही है। शासकीय योजनाओं का लाभ वह नहीं ले पा रहा है।

जिंदा रहते कैसे मृत हो गया उदयचंद

किसी व्यक्ति का नाम समग्र आईडी से डिलिट करना है तो इसकी प्रक्रिया है। मृत्यु प्रमाण पत्र या पंचनामा बनाकर नाम डिलिट किया जा सकता है। वर्ष 2020 में उदयचंद का नाम डिलिट किया गया। तब से भौतिक रूप से वह जिंदा है लेकिन कागजों में मृत है। पंचायत में सचिव, रोजगार सहायक की गलती से उसका नाम डिलिट हुआ।

एक साल से उसे भटकाया जा रहा है। पंचायत में उस दौरान उमेश सूर्यवंशी सचिव थे। वे अब सेवानिवृत्त हो चुके है। उस समय उनके पास खजरी अंतु और दमुआ रैय्यत का प्रभार था। तत्कालीन रोजगार सहायक राम लखन कुमरे को उदयचंद ने गडबडी के लिए जिम्मेदार ठहरया है। रामलखन कुमरे कोट के स्टे पर कार्यरत है। गबन के आरोप उन पर है।

मृत घोषित होने के बाद बकरी शेड के लिए मिली राशि

उदयचंद को जून 2020 में कागजों में मृत किया गया। इसके बाद बीस अगस्त 2020 को उसके खाते में बकरी शेड की राशि आई। हितग्राही का खाता डीबीटी में है। प्रधानमंत्री आवास योजना की पूरी राशि इसमें डाली गई। मृत घोषित होने के बाद संबल योजना का लाभ नहीं मिा।

वापस जिंदा करने की प्रक्रिया अब होगी

उदयचंद को अब कागजों में फिर से जिंदा किया जाएगा। इसके लिए आधार कार्ड से समग्र आईडी को अपडेट करना होगा। उनका आधार कार्ड अपडेट कराया गया है। जनपद पंचायत की सीईओ ने डिलिट करने वाले पर कार्रवाई करने के निर्देश आज जारी किए। पंचनामा, शपथपत्र बनाकर उसे वापस समग्र आईडी में एड कर जिंदा किया जाएगा।

मुझे जिंदा कर दो-उदयचंद

कागजों में मृत उदयचंद ने कहा कि वह कलेक्टर के पास गया था। अब जनपद पंचायत आया है। उसे जिंदा कर दो। यही वह चाहता है।

मेरे कार्यकाल का मामला नहीं है-सचिव तुलाराम

सचिव तुलाराम साहू ने कहा कि ये मामला उनके कार्यकाल का नहीं है। समग्र आईडी से वह कैसे डिलिट हुआ नहीं बता सकते। आधार अपडेट कराया गया है। अब इनकी केवाईसी क्लियर हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पेंशन प्रकरण स्वीकृत करने के लिए केवायसी कराने के दौरान मामला सामने आया।

बेगमगंज के रेंजर अरविंद अहिरवार को केंद्रीय मंत्री ने किया सम्मानित

रायसेन। पर्यावरण के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने पर जिले के बेगमगंज रेंजर अरविंद अहिरवार को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सम्मानित किया गया है। इससे जिले का नाम मध्य प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में प्रचारित हुआ है।

वन परिक्षेत्राधिकारी अरविंद अहिरवार को पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने पर नई दिल्ली के भारत मंडपम सांस्कृतिक सभागृह में जी मीडिया के उड़ान कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वन परिक्षेत्र अधिकारी अरविंद अहिरवार द्वारा पर्यावरण संरक्षण से लेकर वन्यजीवो की चिंता भी की है इसके लिये इन्होने अपने ही स्तर पर कई प्रयास किये हैं जिनमे मुख्य रूप से जल संरक्षण के लिए वन परिक्षेत्र बेगमगंज में विभिन्न बीटों में सौसरो का निर्माण कराया गया,झिरियों की सफाई कराई गई एवं जल गंगा सम्बर्धन के तहत तालाबो के गहरीकरण का काम कराया गया जिससे भीषण गर्मी में जंगलो में पानी की उपलब्धता बनी रही जिससे वन्यप्राणियों को पीने के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहा है। रेंजर अहिरवार द्वारा बेगमगंज ,सुल्तानगंज के सभी सरकारी कार्यालयों में पक्षियों के लिए 1100 घोंसले ,पानी के सकोरे टंगवाए,जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिली,अकेले डिपो कैंपस में 100 से ज्यादा घोंसले ओर सकोरे टांगे गए जिससे मौजूदा समय में डिपो में पक्षियों की संख्या बहुत ज्यादा बड़ी,जो देखने पर मोगलीलैंड जैसा प्रतीत होता है।

लोन की राशि जमा नहीं की, न्यायालय ने सुनाई चार माह की सजा

चैक बाउंस होने पर 2 लाख 36 हजार की राशि जमा करने के दिए निर्देश

परासिया। मध्य प्रदेश ग्रामीण शाखा जुन्नारदेव से लोन लेकर जमा नहीं करने और चैक बाउंस होने पर न्यायालय ने चार माह की सजा सुनाई है। वहीं लोन धारक को दो लाख 36 हजार रुपए जमा करने के निर्देश दिए गए।

बैंक से आरिफ गौसी पिता मोहम्मद जुम्मन निवासी वार्ड न 09 जुन्नारदेव को मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा जुन्नारदेव ने दो लाख रुपए लोन स्वीकृत किया था। नियत समय पर ऋण की किश्तों का पुनर्भुगतान न किए जाने पर शाखा ने मई 2023 में` चेक बाउंस होने के पर निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद 12 जून को न्यायालय, जुन्नारदेव द्वारा हितग्राही को दो लाख 36 हजार की राशि जमा करने और 4 माह का सश्रम कारावास भुगतने का निर्णय सुनाया गया, । बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय अनुशासन स्थापित करने के लिए ये एक मील का पत्थर है।

तत्कालीन शाखा प्रबंधक कुलदीप त्रिपाठी, पूर्व शाखा प्रबंधक पूजा पांडेय एवं तत्कालीन शाखा प्रबंधक राजेश करमरकर द्वारा निरंतर संबंधित वकील शाहजहां बानो से सामंजस्य स्थापित करते हुए सफलता प्राप्त की गई। ये निर्णय अन्य हितग्राहियों को भी समय पर ऋण चुकौती हेतु प्रेरित करता है।

कांग्रेस का आरोप, राशन दुकान में गुणवत्ताहीन अनाज का वितरण

एसडीएम से की शिकायत, कार्रवाई की मांग

परासिया। उचित मूल्य की सरकारी राशन दुकानों में कम गुणवत्ता के अनाज के वितरण का आरोप नगर कांग्रेस कमेटी ने लगाया है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने एसडीएम से शिकायत की है।

शिकायत में कहा गया कि शहर के विभिन्न राशन दुकानों से हितग्राहियों द्वारा कम गुणवत्ता का अनाज वितरण करने की शिकायत आ रही है। उन्होंने शिकायत में कहा कि तीन महिनों में अनाज दिया जा रहा हैं धुन लगा हुआ मिट्टी कंकड़ से भरा अनाज वितरित हो रहा है। चावल भी मिट्टी कंकड़ से भरा है ।

उन्होंने बताया कि हितागहियो ने कई जगह आनाज नहीं लिया । लगातार शिकायत के बाद भी राशन दुकानों ने धटिया राशन देना बंद नहीं किया । नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की हो उसे जनता से कोई भी सरोकार नहीं है। लगातार खराब अनाज जनता को दिया जा रहा है ।जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ने की संभावना है ।नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा कि शिकायत के बाद भी कार्यवाही नहीं होती तो जनता के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पूरन तालाब परश्रमदान कर किया पौधरोपण

जिले में 30 जून तक चलाए जा रहा, जल गंगा संवर्धन अभियान में हो रहे कार्यक्रम

रायसेन। मंगलवार को शहर के पूरन तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका परिषद द्वारा सामूहिक श्रमदान और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले में बारिश के जल को सहेजने के लिए 30 जून तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले भर मे नदी,तालाब,कुआ,बाबडीयों पर श्रमदान कर साफ-सफाई की जा रही है।

रायसेन में नगर पालिका परिषद द्वारा पूरन तालाब पर सामूहिक श्रमदान और पौधरोपण कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी,जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन,कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा,एसपी पंकज पाण्डे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा सामूहिक श्रमदान कर पूरन तालाब के घाटों की साफ-सफाई की गई।

इसके उपरांत घाटों के किनारे पर पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने सभी नागरिकों से जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता कर पुरानी जल संरचनाओं को संरक्षित करने तथा बारिश के अधिक से अधिक जल को संग्रहित करने हेतु कार्य करने का आव्हान किया।

उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करने के लिए भी कहा। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि जमना सेन,सीएमओ सुरेखा जाटव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

जिले में 15 अगस्त तक मछली पकडने और क्रय-विक्रय पर लगी रोक

रायसेन। प्रदेश में मप्र नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3.;2 के तहत 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि को बन्द ऋतु ;मत्स्य प्रजनन कालद्ध घोषित किया गया है। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार इस अवधि में जिले में मत्स्याखेट मत्स्य क्रय.विक्रयए मत्स्य विनिमय एवं मत्स्य परिवहन करना निषेध किया गया है। मप्र शासन मछली पालन विभाग के निर्देशानुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिसको निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया हैए उन्हें छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋतु मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इन नियमों के उल्लंघन पर मप्र मत्स्य क्षेत्र ;संशोधितद्ध अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पाँच हजार रू तक का जुर्माना या दोनों से दण्डित किए जाने का प्रावधान है।

जिले में अब तक 42 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायसेन। जिले में 01 जून से अब तक 42 मिलीमीटर औसत बारिश दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 28.2 मिलीमीटर अधिक है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू.अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून 2025 से 17 जून 2025 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 79 मिलीमीटर,गैरतगंज में 33.6,बेगमगंज में 51.1,सिलवानी में 53.6,गौहरगंज में 26, बरेली में 24,उदयपुरा में 15, बाड़ी में 47,सुल्तानपुर में 88.9 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 2.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण

रायसेन। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए उनका निराकरण किया गया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर समस्याओं को निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की विभिन्न तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान हेतु निर्देशित किया। साथ ही विकासखण्ड स्तर पर प्राप्त होने वाले आवेदनों को गंभीरतापूर्वक निराकृत करने के लिए कहा जिससे कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु जिला मुख्यालय पर ना आना पड़े। जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची, आर्थिक सहायता, विद्युत सहित शासकीय की विभिन्न योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर्स सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पाँच दिवसीय मांडूक्य उपनिषद पाठ पारायण एवं ध्यान शिविर का आयोजन

रायसेन। साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शविर के पहले दिन मांडूक्य उपनिषद विषय पर आधारित ध्यान कराया गया। योग एवं आयुर्वेद विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. उपेंद्र बाबू खत्री द्वारा मांडुक्य उपनिषद में वर्णित ध्यान की अवधारणा से परिचित कराया गया। उन्होंने बताया कि ध्यान के माध्यम से जीवन को दिव्य बनाया जा सकता है और मांडूक्य उपनिषद अथर्ववेद से लिया गया है,जिसका उद्देश्य चेतना की चार अवस्थाओं ;जाग्रत,स्वप्न,सुषुप्ति और तुरीय द्ध प्रति अनुभव को विकसित करना है। योग के माध्यम से लोगो को बताया गया कि ध्यान तनाव को कम करने, मानसिक स्पष्टता बढ़ाने और समग्र कल्याण में सुधार करने में मदद करता है। डॉक्टर खत्री ने बताया कि मनुष्य अपनी धारणाओं के अनुसार ही व्यवहार करता है और ध्यान के माध्यम से सकारात्मक सोच विकसित होती है इसलिए ध्यान मानव जीवन के लिए उपयोगी है। इस शिविर में आसपास के गाँव सुनारी, ढकना,सलामतपुर तथा सांची से भी लोग शामिल हुए।

चित्रगुप्त-यमराज पर टिप्पणी को लेकर कायस्थ समाज ने राज्यपाल के नाम दिया ज्ञापन

रायसेन। भगवान चित्रगुप्त को अपना आराध्य देव मानने वाले कायस्थ समाज ने इस टिप्पणी को अपना और अपने आराध्य का अपमान माना। कायस्थ समाज के लोगो ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन के कहा गया की पंडित प्रदीप मिश्रा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगे नही तो कायस्थ समाज ने कानूनी कार्रवाई करेगी। वही पंडित प्रदीप मिश्रा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की चेतावनी और आंदोलन की धमकी दी थी। कुछ लोगों ने कानूनी कार्रवाई और बहिष्कार की मांग भी की थी।

कोटवारों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन,रिटायरमेंट राशि और वर्दी भत्ता लागू करने की मांग

रायसेन। मंगलवार को जिले भर के कोटवारों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया की पूर्व मुख्मंत्री शिवराज की थी घोषणा को नही किया लागू।

संपादकीय

चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग के आरोप में लिखे लेख पर चुनाव आयोग ने प्रतिक्रिया दी। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में धांधली के दावों को खारिज किया। कहा कि अनुकूल चुनाव परिणाम न मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका है। गांधी के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्ल्यूप्रिंट था, जो बिहार में होने वाले चुनाव में भी दोहराया जाएगा। उन्होंने लिखा, मैच फिक्स किए चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर हैं। जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वह भले ही जीत जाए मगर इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है। आयोग ने अपने बयान में कहा, कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि हजारों प्रतिनिधियों को बदनाम और लाखों कर्मचारियों को हतोत्साहित करती है। राहुल ने आयोग के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा–आप संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों को बिना हस्ताक्षर वाले, टालमटोल वाला नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। हालांकि राहुल को आरोपों के पुख्ता सबूत देने के प्रयास भी करने चाहिए। महाराष्ट्र के मतदाताओं में 8त्न की वृद्धि पर कांग्रेस ने उसी वक्त आपत्ति दर्ज की थी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चुनाव में करारी हार को विपक्ष गले नहीं उतार पा रहा। इसलिए आरोप गढ़ कर मोदी सरकार को बदनाम करने का काम कर रहा है। चुनाव आयोग संविधान द्वारा स्थापित संवैधानिक निकाय होने के बावजूद मोदी सरकार के विभिन्न निर्णयों के बाद कई मौकों पर विवादों में आता रहा है। स्वतंत्र–निष्पक्ष चुनाव का दारोमदार अंततः आयोग पर होता है। मगर पूर्व में चुनाव आयुक्त रह चुके सुकुमार सेन, टीएन शेषन और जेएम लिंग्दोह की तरह कोई भी संस्था की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने में सफल नहीं हो सका। बात भाजपा नेताओं के सांप्रदायिक भाषणों की हो, इलेक्टोरल बॉन्ड या वोट संख्या की बजाय प्रतिशत जारी करने की, बार–बार आयोग पर पक्षपाती होने का आरोप लगा जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। उसे पक्षपाती नहीं होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चो की अधिकता रहेगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा।

सिंह राशि : आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह–मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद–विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम अच्छा चलेगा।

आतंकवाद पर नियंत्रण एक जटिल कवायद

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया हुई और पाकिस्तान में आंतकी अड्डों को निशाना बनाया गया. अब, संघर्षविराम लागू हो चुका है, इसलिए यह इस बात पर विचार करने के लिए उचित समय है कि समाज में व्याप्त इस कैंसर जैसी प्रवृत्ति का मुकाबला कैसे किया जाए. 9/11/2011 को टिव्न टावर्स पर हुए आतंकी हमले में 2000 से अधिक लोगों की मौत के बाद से यह मुद्दा अधिक चर्चा में है. 'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द अमरीकी मीडिया ने गढ़ा था और बाद में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ने के लिए किया जाने लगा. वैसे आतंकी घटनाओं को तो परिभाषित किया गया है, लेकिन आतंकवाद को परिभाषित करना आसान नहीं है और इस प्रवृत्ति से संबंधित क्रियाकलापों से जुड़ी संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्थाएं भी अब तक इसे परिभाषित नहीं कर सकी हैं. जहां तक भारत का सवाल है, यहां ब्रेनवाश किए गए मुस्लिम युवकों द्वारा हत्यायों का विक्षिप्तापूर्ण कार्य लंबे समय से चल रहा है. भारत में 26/11/2008 को मुंबई पर हमला हुआ जिसमें करीब 200 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. इसका सबसे दिलचस्प पहलू यह था कि महाराष्ट्र एटीएस के प्रमुख हेमंत करकरे भी इस हमले में मारे गए थे. इसके समानांतर हमने पहले नांदेड़ (2006) और उसके बाद चार आतंकी हमले देखे – मालेगांव, अजमेर, मक्का मस्जिद और समझौता एक्सप्रेस. मालेगांव के मामले में एनआईए ने पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को मौत की सजा दिए जाने की मांग की है, जिनकी मोटरसाईकिल का इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया था. इसके अलाव ले. कर्नल पुरोहित पर भी मुकदमा चल रहा है और इसमें स्वामी असीमानंद, मेजर (सेवानिवृत्त) उपाध्याय और हिन्दुत्व राजनीति से जुड़े कई अन्य लोगों का नाम भी सामने आया. भारत इन आतंकी घटनाओं का सामना कर रहा है और यह जरूरी है कि हम वैश्विक आतंकवाद की जड़ों और उसके भारत पर पड़े प्रभाव पर गहन चिंतन करें. आतंकी हमलों से निपटने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं. पहले पुलवामा और अब पहलगाम के आतंकी हमलों ने हमारी कमियों को उजागर किया है, और कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनके संबंध में वैश्विक संस्थाओं से तालमेल करके इनमें से कई कमियों को दूर किया जा सकता है. एक बात तो यह है भारत में आतंकी हमले करने वाले संगठन पाकिस्तान केन्द्रित हैं. पाकिस्तान की दयनीय दशा है, क्योंकि वह न केवल आतंकी हमलों का केन्द्र है बल्कि स्वयं भी इस नीचतापूर्ण प्रवृत्ति का शिकार है. वर्तमान में कश्मीर आतंकी हमलों के निशाने पर है. कश्मीर में इस समय जारी इस त्रासदी की प्रमुख कर्ताधर्ता उन आतंकी समूहों की शाखाएं हैं जो अफगानिस्तान पर सोवियत संघ द्वारा कब्जा किए जाने के बाद इसकी खिलाफत के लिए अमरीका द्वारा खड़ी की गई थीं. चूंकि अमेरिका अफगानिस्तान पर काबिज सोवियत सेना का सीधा सामना करने की स्थिति में नहीं था, इसलिए उसने पाकिस्तान में मदरसों की मदद की, उन्हें बढ़ावा दिया, जिनमें मुस्लिम युवकों को प्रशिक्षण दिया जाने लगा. इसके नतीजे में तालिबान और उसके जैसे संगठन अस्तित्व में आए. महमूद ममदानी गहन शोध पर आधारित अपनी पुस्तक 'गुड मुस्लिम बेड मुस्लिम' में बताते हैं कि इन मदरसों का पाठ्यक्रम किस प्रकार अमरीका में तैयार किया गया था जिसमें कम्युनिस्टों को काफिर बताया गया था.

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

- ललित गर्ग

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने–पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस–यूक्रेन, इजरायल–हमाम, कुछ समय भारत–पाक और अब इजरायल–ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है।

जिसने परमाणु–शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह–अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे।

उद्देश्य से भटके संयुक्त राष्ट्र संघ को भंग क्यों नही करते?

अशोक मधुप

संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्य औचित्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानव अधिकारों की रक्षा करना, और विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना है। इसका गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 में 51 देशों द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य था कि भावी युद्धों को रोका वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। आज 193 देश इसके सदस्य हैं। इतने बड़े संगठन का लगता है कि आज कोई देश कहना मानने को तैयार नहीं। सबकी अपनी ढपली अपना राग है। संयुक्त राष्ट्र संघ तमाशबीन बन कर रह गया है।लगभग एक साल आठ माह से इस्राइल –हमास युद्ध चल रहा है। अब इस्राइल से ईरान पर हमलाकर दिया है। इस्राइल– ईरान युद्ध में बैलिस्टिक मिजाइल प्रयोग हो रही हैं।सवा दो साल से रूस– यूक्रेन युद्ध चल रहा है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में की गई बरबादी पूरी दुनिया ने देखी। संयुक्त राष्ट्र संघ मानव जीवन की बरबादी देख रहा है। यह असहाय बना बैठा है। मानव जीवन का विनाश रोकने के लिए वह कुछ नहीं कर पा रहा। उसकी भूमिका शून्य होकर रह गई है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ नहीं कर सकता। को देश उसकी मानने को तैयार नही।युद्ध रोकने की उसकी शक्ति नहीं तो उसका औचित्य क्या है? दुनिया के देश क्यों इस सफैद हाथी को पाले हैं। क्यों इसका खर्च वहन कर रह हैं।इस भंग क्यों नही कर दिया जाता। एक साल आठ माह से हमास– इस्राइल युद्ध चल रहा है।लगभग डेढ़ साल पूर्व हमास– इस्राइल युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयास हुए। कई बार प्रस्ताव के प्रयास हुए पर वीटो पावर वाले देशों के अडंगे के कारण कुछ नहीं हो सका। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस युद्ध को रोकने के लिए सर्वसम्मत

प्रस्ताव स्वीकार किया, किंतु इस्राइल ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया। होना यह चाहिए था कि प्रस्ताव होता कि हमास ने इस्राइल पर हमला किया है, वह इस्राइल के नुकसान की भारपाई करे। इस्राइल के बंदी रिहा करे। ये भी व्यवस्था होती कि भविष्य में हमास ऐसा दुस्साहस न कर सके। सब चाहते हैं कि इस्राइल युद्ध रोके। कोई ये पहल नही कर रहा कि पहले हमास इस्राइल के बंदी रिहा करे। इस्राइल के हमलों में बच्चों और महिलाओं के मरने की बात हो रही है। मुख्य मामला पीछे चला गया।अब ये सब बात बंद हो गई। साफ हो गया कि इस्राइल मानने वाला नही है। हमास के हमले में इस्राइल में बच्चों–महिलाओं का जिस तरह कत्ल किया गया, उनकी गर्दन काटी गई। उसका कहीं जिक्र नहीं हो रहा। इस तरह का दोहरा आचरण दुनिया का विखंडित ही करेगा, रोकेगा नही। पिछले तीन साल चार माह से रूस –यूक्रेन युद्ध जारी है। इस युद्ध में मरने और घायल होने वाले दोनों देशों के सैनिकों की संख्या पांच लाख के आसपास है।अपने सैनिकों की मौत के बारे में न रूस कुछ बता रहा है, न ही यूक्रेन। रूस–यूक्रेन युद्ध में सीएसआईएस के जून 2025 के अनुमान के अनुसार रूस के लगभग 250,000 सैनिकों की मौत हुई।साढ़े सात लाख गंभीर रूप से घायल हैं। यूक्रेन की और से 21 मई 2025 तक 70,935 यूक्रेनी सैनिक मारे जा चुके हैं। सीएसआईएस का जून 2025 अनुमान– कुल 400,000 हताहत (इसमें 60 हजार से एक लाख मारे और 300–340 हजार घायल हुए) ।यूक्रेनी ऑफिशियल आंकड़े के अनुसार 43,000 मारे और 370,000 घायल हुए । यूएनएचसीआर केअनुसार, लगभग 10.6 मिलियन यूक्रेनियन विस्थापित हुए हैं। 3.7 मिलियन देश के अंदर, 6.9 मिलियन विदेश में विस्थापित हुए। यूएन के अनुसार यूक्रेन में लगभग 13,134 नागरिकों की मौत हुई है (2025 तक सत्यापित); 2022–2024 में मान्यता प्राप्त कुल नागरिक मृत्यु 50,000 तक हो सकती है।उधर इज़राइल– हमास संघर्ष में इस्राइल के 831 सैनिक मरे, 5,617 घायल हुए। 924 नागरिक मरे, 14,000 से ज्यादा घायल हुए। हमास/गाज़ा के 20,000 से ज्यादा मिलिटेंट मरे। (सटीक घायलों का डेटा नहीं)55,000 से ज्यादा गाज़ाई महिला बच्चे मरे । इतना सब होने के बाद भी संयुक्त राष्ट्र इस युद्ध को नहीं रोक पाया। न रोक पा रहा है। इस युद्ध से दोनों देशों के विकास तो रुका ही। मानव कल्याण के लिए भवन, पुल, स्कूल और उद्योग खंडहर बन गए। इनके युद्ध के कारण दुनिया के अन्य देशों को होने वाली अनाज की आपूर्ति रुकी है। इससे पूरी दुनिया में मंहगाई बढ़ रही है। हाल ही में यूक्रेन ने रूस पर बड़ा हमला किया।इससे रूस को भारी क्षति हुई । कई आधुनिक लड़ाकू विमान तबाह हुए।उसका जबाव रूस ने भी दिया। जिस तरह से रूस लड रहा है। मित्र देश यूक्रेन को पीदे से मदद कर रहे है, उससे लगता है कि गुस्साकर कभी भी रूस परमाणु हमला कर सकता है। किंतु इसकी किसी को चिंता नहीं। हमास –इस्राइल युद्ध के बीच हुति विद्रोहियों ने इस्राइल पर मिजाइल से हमले किए।इस्राइल समर्थक देशों के मालवाहक जहाजों पर मिजाइल दागीं। इस सब के बावजूद संयुक्त राष्ट्र संघ की नींद नही खुली। आज संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ देश के हाथों की कठपुतली बन गया है।

प्रसिद्धि से दूर रहने की वृत्ति बाला साहब देवरस'

- हेमेन्द्र क्षीरसागर

बाला साहब देवरस का बाला साहब नाम उन्हें उनके परिवार और करीबी लोगों द्वारा प्यार से दिया गया एक उपनाम था, जो उनके वास्तविक नाम मधुकर दत्तात्रेय देवरस के साथ जुड़ या। बाला साहब एक लोकप्रिय मराठी शब्द है जिसका उपयोग छोटे लड़कों या प्रियजनों के लिए किया जाता है। यह उनके मिलनसार और स्नेही स्वभाव को दर्शाता है। 11 दिसम्बर 1915 को नागपुर में जन्मे बाला साहब देवरस पार्वती बाई– कृष्णराव देवरस की आठवीं संतान थे। 1925 में बालसाहेब ने शाखा जाना प्रारम्भ कर दिया। स्थायी रूप से उनका परिवार मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के आमगांव के निकटवर्ती ग्राम कारंजा का था। अभीष्ट, बाला साहब की स्मृतियां, सेवा और आयाम से प्रतिबद्ध पावन भूमि में बाल–भाऊ देवरस न्यास संचालित है। न्यास आर्थिक विकास, खेती प्रचार व प्रशिक्षण, महिला बचत गट प्रशिक्षण केंद्र, फलोद्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम, दुग्ध व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अरोग्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन जनकल्याण के निहितार्थ करता है। दौरान, उनकी सम्पूर्ण शिक्षा नागपुर में ही हुई। न्यू इंगलिश स्कूल मे उनकी प्रारम्भिक शिक्षा हुई। संस्कृत और दर्शनशास्त्र विषय लेकर मौरिस कालेज से बालसाहेब ने 1935 में बीए किया। दो वर्ष बाद उन्होंने विधि की परीक्षा उत्तीर्ण की। विधि स्नातक बनने के बाद बालसाहेब ने दो वर्ष तक अनाथ विद्यार्थी बस्ती गृह मे अध्यापन कार्य किया। इसके बाद उन्हें नागपुर मे नगर कार्यवाह का दायित्व सौंपा गया। 1965 में उन्हें सरकार्यवाह का दायित्व सौंपा गया जो 6 जून 1973 तक उनके पास रहा। श्री गुरूजी के स्वर्गवास के बाद 6 जून 1973 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सर संघचालक के दायित्व को ग्रहण किया। उनके कार्यकाल में संघ कार्य को नई दिशा मिली। उन्होंने सेवाकार्य पर बल दिया परिणाम स्वरूप उत्तर पूर्वाचल सहित देश के वनवासी क्षेत्रों के हजारों की संख्या में सेवाकार्य आरम्भ हुए। बालासाहब देवरस ने अपना जीवन समाज एवं देशसेवा को समर्पित कर दिया था। शिक्षा क्षेत्र में सबसे अग्रणी सरस्वती शिशु मंदिर योजना भाऊराव देवरस की ही देन है। समर्पित, डाक्टर जी का स्वास्थ्य अधिक खराब होने के चलते बालासाहब को 1940 में कलकत्ता से वापस बुला लिया गया । देशभर के विभिन्न स्थानों पर प्रचारक भेजने की जिम्मेदारी नागपुर शाखा की ही सर्वाधिक रहती थी। स्वयंसेवक को उस हेतु गढ़ना, किसे कहाँ भेजना यह जिम्मेदारी बाला साहब उत्तम रीति से संभालते थे। डाक्टर जी के निर्देश पर 1937 से 1940 के बीच गुरूजी संघ कार्य में पूरी तरह डूब गए थे। शाखा पर होने वाले गणगीत, प्रश्नोत्तर आदि की उन्होंने ही शुरुआत की। संघ के कार्यक्रमों में मां भारती, डां हेडगेवार तथा श्री गुरुजी के चित्र लगते हैं। बालासाहब के सर संघचालक बनने पर कुछ लोग उनका चित्र भी लगाने लगे; पर उन्होंने इसे रोक दिया। यह उनकी प्रसिद्धि से दूर रहने की वृत्ति का ज्वलन्त उदाहरण है। साहसं, 1975 में संघ पर लगे प्रतिबन्ध का सामना उन्होंने धैर्य से किया। वे आपातकाल के पूरे समय पुणे की जेल में रहे; पर सत्याग्रह और फिर चुनाव के माध्यम से देश को इन्दिरा गांधी की तानाशाही से मुक्त कराने की इस चुनौती में संघ सफल हुआ। मधुमेह रोग के बावजूद 1994 तक उन्होंने यह दायित्व निभाया। इस दौरान उन्होंने संघ कार्य में अनेक नये आयाम जोड़े। इनमें सबसे महत्वपूर्ण निर्धन बस्तियों में चलने वाले सेवा के कार्य हैं। इससे वहाँ चल रही धर्मान्तरण की प्रक्रिया पर रोक लगी। स्वयंसेवकों द्वारा प्रान्तीय स्तर पर अनेक संगठनों की स्थापना की गई। बालासाहब ने वरिष्ठ प्रचारक देकर उन सबको अखिल भारतीय रूप दे दिया। स्वास्थ्य के कारण उन्होंने 1994 में सर संघचालक का दायित्व त्याग दिया था। अपूरणीय, बाला साहब देवरस का 17 जून 1996 को स्वर्गारोहण हुआ। प्रथम और द्वितीय सर संघचालकों का दाहसंस्कार स्वयंसेवकों ने नागपुर के रेशिमबाग संघ कार्यालय में किया था। बालासाहब ने स्पष्ट कहा था कि उनका अंतिम संस्कार सामान्य व्यक्ति की भांति श्मशान में किया जाए और उनकी समाधि न बनाई जाए। उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र शब्दांजलि! साभार जीवन प्रसंग!

प्लेन हादसा जानबूझ कर नहीं होता

- संजय गोस्वामी

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे मौत का आकड़ा बढ़ कर 285 तक हो गई यह याद रखना ज़रूरी है कि अगर आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो विमान दुर्घटना की संभावना बेहद कम है। फिर भी, कई सालों बाद भी ऐसी घटनाएँ होती रहती हैं। ब्लैक बॉक्स को वापस लाने के बाद पता चला कि टेकऑफ़ के दौरान, एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचने के बाद विमान के सिस्टम फेल हो गए थे और पायलट ने इस समस्या के बारे में एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल को सूचित किया था। दुर्घटनाओं पर शोध करने वाले जांचकर्ताओं को अभी तक इस घटना को किसी विशिष्ट कारण से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं। इस रहस्य को वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए, हम समझते हैं कि जब किसी विमान में कोई समस्या आती है, तो पायलट आमतौर पर एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल से सहायता माँगता है। हालाँकि, यह दुर्घटना इतनी अचानक हुई कि प्रमुख देशों के विशेषज्ञ अब इसे सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। एक ही समाधान के बजाय, जाँच के कई रास्ते अपनाए जा रहे हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि विमान में उड़ान भरने से दुर्घटनाओं का जोखिम बहुत कम होता है, लेकिन कई सालों बाद भी घटनाएँ हो सकती हैं। सभी वस्तुएँ गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में चलती हैं, जबकि हवाई जहाज लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण वातावरण में काम करते हैं। एक विमान में टर्बाइन ब्लेड होते हैं जो हवा को काटते हैं और पंख जो दिशा और स्थिरता प्रदान करते हैं। टर्बाइन एक ऐसी मशीन है जो ऊर्जा के एक रूप को दूसरे में परिवर्तित करती है, जैसे गतिज ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में या भाप ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलना। टर्बाइन घूर्णी गति के माध्यम से यांत्रिक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। परिवहन दुर्घटना आग पर सबसे शुरुआती अमेरिकी अध्ययनों में से एक ने संकेत दिया कि 1946 में लगभग 15 प्रतिशत अमेरिकी वाणिज्यिक एयरलाइन दुर्घटनाओं में दुर्घटना के बाद आग लग गई थी। इस रिपोर्ट ने उड़ान के दौरान और दुर्घटना के बाद की आग से संबंधित ईंधन गुणों और प्रज्वलन स्रोतों की जांच की।1951 में एसएई (सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, एक अमेरिकी संगठन है) की एक बैठक में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के इंजीनियर द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 1938 और 1951 के बीच, आग न लगने वाली दुर्घटनाओं के कारण 60.8 प्रतिशत यात्रियों की मृत्यु हुई, जबकि आग से जुड़ी दुर्घटनाओं में मृत्यु दर 84.6 प्रतिशत थी। इस पत्र में दुर्घटना जांच के निष्कर्षों के साथ–साथ ब्लैडर टैंक और सेल्फ–सीलिंग फिटिंग के परीक्षण पर चर्चा की गई थी। 1966 में किए गए सिविल एरोनॉटिक्स बोर्ड के एक अध्ययन में 1955 से 1964 के बीच हुई 153 दुर्घटनाओं की जाँच की गई, जो या तो आग के कारण हुई थीं या आग के परिणामस्वरूप हुई थीं। इसमें शामिल 4,559 यात्रियों और चालक दल में से 1,955 गंभीर रूप से घायल हुए, कुल मिलाकर, इन घटनाओं में 1,161 लोग शामिल थे, जिनमें 488 (42%) ने अपनी जान गंवाई। मौतों में से 294 (60%) आग के कारण हुईं और अन्य 57 व्यक्ति गंभीर रूप से जल गए। 79 दुर्घटनाएं जो घातक थीं या जिनमें आंशिक रूप से बचने की संभावना थी, उनमें 294 (15%) की मौत आग के कारण हुई। रिपोर्ट में कुछ दुर्घटनाओं का विस्तृत विवरण शामिल था जिसमें मृत्यु और जीवित बचे दोनों शामिल थे, जिससे विमान डिजाइन में आग की रोकथाम पर आगे के शोध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, क्योंकि प्रभाव के बाद संक्षिप्त निकासी अवधि के दौरान अग्निशमन संसाधन शायद ही उपलब्ध हों। 1975 में, स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए नासा अध्ययन ने 1963 से 1975 तक अमेरिकी वाणिज्यिक विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं की समीक्षा की ध्यान इस बात पर केंद्रित था कि किस हद तक बेहतर अग्नि प्रतिरोध और/या कम विषाक्तता वाली सामग्री चोटों, मौतों और आग से होने वाले नुकसान को कम कर सकती है। इस अवधि के दौरान, 545 गैर–अशांति दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें से 122 (22%) में एयरफ्रेम में आग लग गई थी। न दुर्घटनाओं को छोड़कर जिनमें एयरफ्रेम को कोई नुकसान नहीं हुआ था और वे दुर्घटनाएं जिनमें आग इंजन और/या पहिये के वेल तक ही सीमित थी, केवल 22% दुर्घटनाओं में आग शामिल थी; हालांकि, 75% घातक दुर्घटनाओं में आग शामिल थी। आग से संबंधित 122 दुर्घटनाओं में से कम से कम 21 में, प्रभाव क्षति अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी आग से क्षति गंभीर थी। आग की लगभग आधी दुर्घटनाएं लैंडिंग के दौरान हुईं। कुल मिलाकर, लगभग 15त्न मौतें आग के कारण हुईं, यह आंकड़ा 1966 के एक अध्ययन में पाए गए आंकड़े में आग से जुड़ी 71 घातक दुर्घटनाओं में से 39 में प्रभाव के कारण जान बच नहीं सकी, 13 में कुछ मौतें सीधे आग के कारण हुईं, और 19 को प्रभाव के बाद जान बच पाने या न बच पाने की सूचना मिली। विडमेयर और ब्रेंडे द्वारा किए गए इस व्यापक अध्ययन में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों और कंपनी के अभिलेखों का विश्लेषण किया गया, तथा 1959 और 1979 के बीच घटित 583 घटनाओं के प्रारंभिक डेटाबेस से 153 संभावित रूप से जीवित रहने योग्य दुर्घटनाओं से विस्तृत जानकारी संकलित की गई।

जार्जिया में है आसमान में झूलता डायमंड का रेस्तरां

डायमंड की अंगूठी के बारे में तो हम सब जानते हैं, मगर क्या आपने कभी आसमान में झूलते डायमंड के आकार के रेस्तरां के बारे में सुना है। जो लोगों को रोमांच का अनुभव कराने में किसी भी मायने में कम नहीं है। हम बात कर रहे हैं यूरोपियन देश जार्जिया की राजधानी तबिलिसी के हवा में झूलते रेस्तरां के बारे में।

919 फीट की उंचाई पर बने इस रेस्तरां के दोनों ओर साइकिलिंग के लिए ट्रैक बनाया गया है। यहां से गुजरने वाले साईकिल सवार दशबाशी घाटी के झरनों और गुफाओं के बेहतरीन नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां तक पहुंचने के लिए 787 फीट लंबा एक ग्लास ब्रिज भी तैयार किया गया है।

इस होटल का निर्माण 3.29 अरब रूपये की लागत से बनाया गया है। साल 2019 में इस हैंगिग रेस्तरां को इजरायली कंपनी ने बनवाना आरंभ किया था। जो सैलानियों के लिए खोल दिया गया है। ये रेस्तरा तबिलिसि से 100 कि.मी. की दूरी पर बना है।

ये है दुनिया का सबसे लंबा गांव है पोलैंड का सुलोस्जोव

पोलैंड का सुलोस्जोव गांव दुनिया का सबसे लंबा गांव बन गया है। यह 9 किमी की लंबाई और करीब 150 मीटर की चौड़ाई में बसा है। इस गांव में करीब 1600 घर हैं, जो एक सड़क के दोनों तरफ बने हैं। इनमें करीब 6200 लोग रहते हैं। वर्ल्ड रूरल प्लानिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह गांव क्राकोव शहर से करीब 30 किमी दूर है। यह 14वीं शताब्दी में बसा था। उस वक्त इसका दायरा करीब 500 मीटर था। लेकिन धीरे-धीरे इसकी बसावट लंबाई में बढ़ती गई। इस गांव के दोनों तरफ हरे-भरे खेत हैं। इस गांव में अस्पताल, बैंक, स्कूल और सारी मूलभूत सुविधाए हैं।

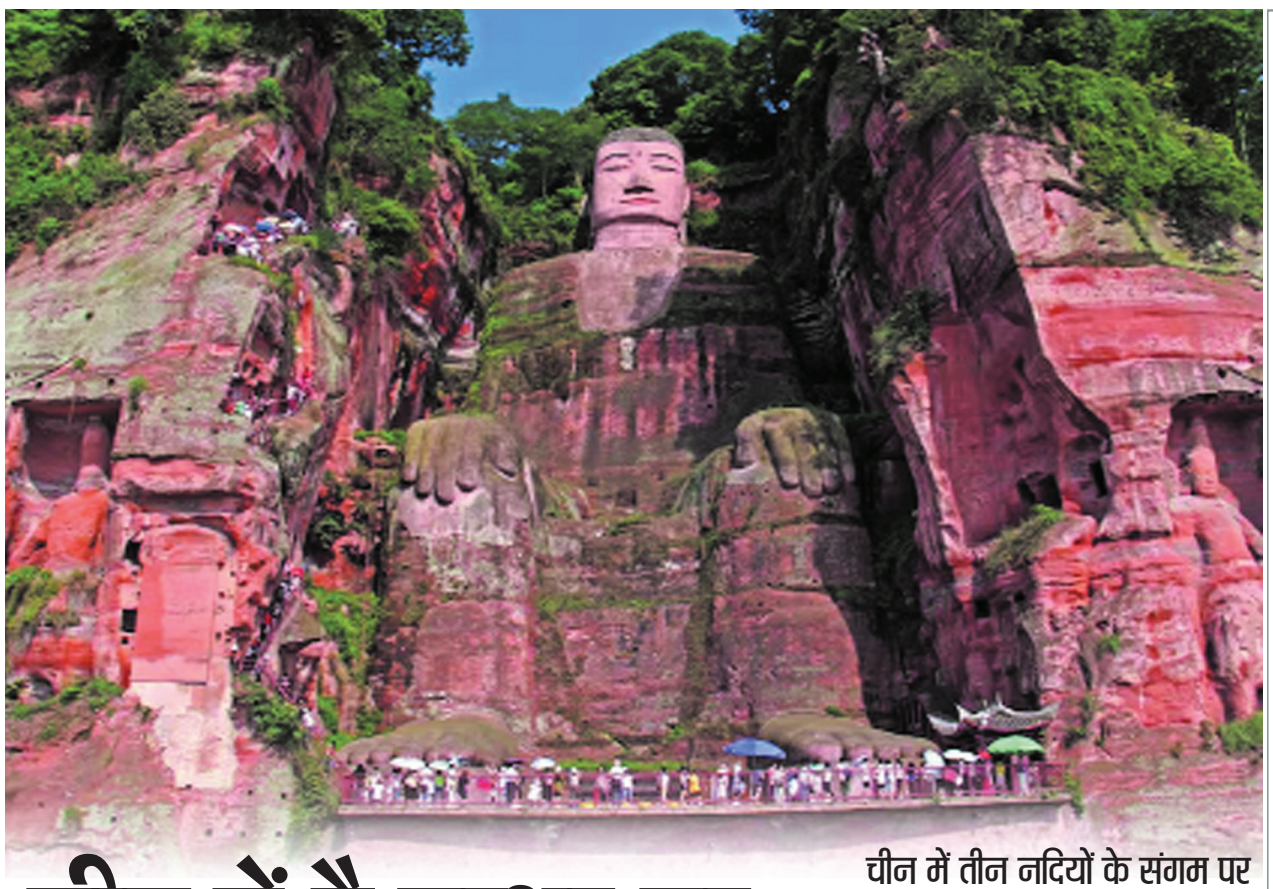

चीन में है पत्थर पर उकेरी गई दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की प्रतिमा

चीन में तीन नदियों के संगम पर लेशान विशालकाय बुद्ध की प्रतिमा, पत्थर पर उकेरी गई दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की प्रतिमा है. इतिहास, आध्यात्म और इंजीनियरिंग यह तीनों क्षेत्रों के लिए कई तरह के आश्चर्य अपने अंदर समेटे हुए है.

लेशान विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन इंजीनियरिंग और कलात्मकता का एक चमत्कार है. चीन के तांग राजवंश के दौरान सीधे एक चट्टान के चेहरे पर उकेरी गई, यह विशाल मूर्ति एक हजार साल से अधिक समय से तीन नदियों के संगम पर नजर रखती है. 71 मीटर ऊंची यह दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है. कई लिहाज से अनोखी ये मूर्ति दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती हैं. लेशान की विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन चीनी शिल्पकला और आध्यात्मिकता का प्रमाण है. चट्टान की सतह पर उकेरी गई यह विशाल प्रतिमा सदियों से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है. यह मूर्ति 71 मीटर ऊंची है, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा बनाती है. इसके कंधे 28 मीटर चौड़े हैं. बुद्ध का सिर ही 14.7 मीटर (48 फीट) ऊंचा और 10 मीटर (33 फीट) चौड़ा है. प्रत्येक कान 7 मीटर (23 फीट) लंबा है.

लेशान विशालकाय बुद्ध के पीछे के इतिहास को समझने से इसके महत्व में गहराई आती है. यह मूर्ति सिर्फ कला का एक नमूना नहीं है, यह भक्ति और इंजीनियरिंग कौशल का संकेत है. बुद्ध की इस प्रतिमा को तांग राजवंश के दौरान तराशा गया था, जो 618 से 907 ईस्वी तक चला. निर्माण 713 ईस्वी में शुरू हुआ और पूरा होने में 90 साल लगे. इस परियोजना की शुरुआत हाई टोंग नामक एक चीनी भिक्षु ने की थी, जिसे उम्मीद थी कि बुद्ध नीचे की नदियों के अशांत पानी को शांत करेंगे. लेशान विशालकाय बुद्ध को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, जो प्राकृतिक तत्वों से निपटने में प्राचीन ज्ञान को दर्शाता है. मूर्ति को तीन नदियों मिन, किंगयी और दादू के संगम पर एक चट्टान के चेहरे पर उकेरा गया था. पानी के नुकसान को रोकने के लिए मूर्ति में छिपी हुई नालियों और चैनलों सहित सरल जल निकासी प्रणालियों को शामिल किया गया था. माना जाता है कि बुद्ध के निर्माण से नीचे का पानी शांत हो जाता है, जिससे क्षेत्र में जहाजों के डूबने की संख्या कम हो जाती है. लेशान विशालकाय बुद्ध सिर्फ़ इंजीनियरिंग का चमत्कार नहीं है; यह कई लोगों के लिए गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है. यह मूर्ति मैत्रेय का प्रतिनिधित्व करती है, जो एक बोधिसत्व है, जिसके भविष्य में पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए पृथ्वी पर प्रकट होने की उम्मीद है. तीर्थयात्री और पर्यटक समान रूप से इस स्थल पर अपना सम्मान प्रकट करने और आशीर्वाद लेने आते हैं. बुद्ध की शांत अभिव्यक्ति के बारे में कहा जाता है कि यह उन लोगों को शांति और सुकून देती है जो इसे देखते हैं. ऐसी प्राचीन और विशाल संरचना को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासों की जरूरत होती है. लेशान विशालकाय बुद्ध को सालों से बचाए रखाने की कोशिशें होती रही हैं. इस मूर्ति को क्षरण और प्रदूषण से निपटने के लिए, खासकर 20वीं और 21वीं सदी में, कई बहाली परियोजनाओं से गुजरना पड़ा है. 1996 में, लेशान विशालकाय बुद्ध को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया था. लेशान विशालकाय बुद्ध को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, जो प्राकृतिक तत्वों से निपटने में प्राचीन ज्ञान को दर्शाता है. मूर्ति को तीन नदियों मिन, किंगयी और दादू के संगम पर एक चट्टान के चेहरे पर उकेरा गया था. पानी के नुकसान को रोकने के लिए मूर्ति में छिपी हुई नालियों और चैनलों सहित सरल जल निकासी प्रणालियों को शामिल किया गया था. माना जाता है कि बुद्ध के निर्माण से नीचे का पानी शांत हो जाता है, जिससे क्षेत्र में जहाजों के डूबने की संख्या कम हो जाती है.

20 साल से वीरान अवस्था में है इंग्लैंड का हेमिल्टन पैलेस

इंग्लैंड के ग्रामीण इलाके में बना ये विशाल महल पिछले 20 साल से विरान अवस्था में है और यहां कोई भी नहीं रहता है। अधूरे पड़े इस महल का नाम हेमिल्टन पैलेस है। इसका आकार इग्लैंड की महारानी के शाही निवास बघिंगम पैलेस से भी बड़ा बताया जाता है। इस महल का निर्माण उस वक्त सजायाफ्ता अपराधी और ज़मीदार निकोलस वान ने अपने रहने के लिहाज से बनवाना शुरू किया था। इस महल का निर्माण कार्य सन् 1985 में आरंभ हुआ था और इसे 365 करोड़ रूपये की लागत से बनवाया गया था। मगर निकोलस को एक हत्या के रूप में सजा हो गई और ये महल अब तक खाली है।

तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर बसा तिब्बत का न्यिंगची गांव

लगभग तीन हजार मीटर की उंचाई पर बसा तिब्बत का न्यिंगची गांव हर साल की तरह ही पर्यटकों के स्वागत की तैयारी कर चुका है। यहां पर खासतौर से लोग जंगली पीच के फूल देखने के लिए पहुंचते हैं। तिब्बत के लिटिल स्विटरजरलैंड के नाम से मशहूर इस जगह की खूबसूरती का अंदाज़ा यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद से लगाया जा सकता है। न्यिंगची का अर्थ तिब्बत भाषा में सूरज का सिंहासन होना है। 2024 में इस गांव की प्रति व्यक्ति सालाना औसत आय 4 लाख रूपये से भी ज्यादा है। न्यिंगची के लिए अगर आप रवाना हो रहे हैं, राजधानी ल्हासा से यहां तक का सफर महज तीन घंटे में तय किया जा सकता है। ल्हासा से यहां की दूरी 435 किलोमीटर है। पिछले साल शुरू हुई पहली इलेक्ट्रिक बुलेट ट्रेन ने इन दो शहरों के बीच के सफर का वक्त आधा कर दिया है और अब केवल तीन घंटों में दूरी तय की जा सकती है।

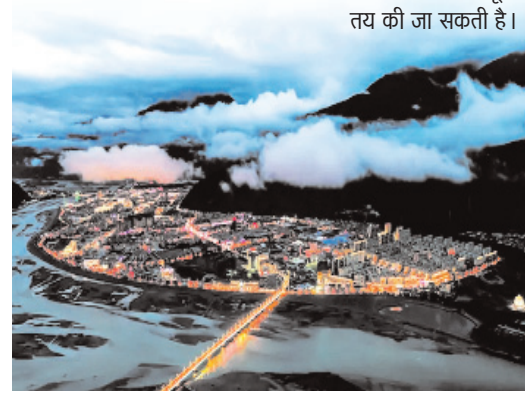

रहस्यों से भरा पड़ा है उत्तर प्रदेश में स्थित ऐतिहासिक भैलाडीह टीला

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के गौर विकास खंड के महुआ डाबर ग्राम पंचायत में स्थित ऐतिहासिक भैलाडीह (भुलेश्वर नाथ) टीला रहस्य से भरा पड़ा है। यह ऐतिहासिक स्थल करीब 200 एकड़ में फैला हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार जब तालाब की खुदाई की गई तो करीब 15 से 20 फीट नीचे पक्की सड़क, साखू के पौधे और ईंट की दीवारें मिलीं।

यह ऐतिहासिक स्थल लगभग 200 एकड़ में फैला हुआ है. ग्रामीणों के अनुसार, जब तालाब की खुदाई की गई तो करीब 15 से 20 फुट नीचे पक्की सड़क, साखू के बोटे, और ईंटों से बनी दीवारें मिलीं, जो इस स्थान के प्राचीन महत्व को दर्शाती हैं. तालाब के पास ही एक प्राचीन शिव मंदिर स्थित है, जिसके करीब एक रहस्यमयी सुरंग भी है. लोगों का मानना है कि यह सुरंग लगभग 5 किलोमीटर लंबी है. सुरंग के प्रवेश द्वार को 40 फीट नीचे ईंट-पत्थरों से बंद कर दिया गया था, जबकि बाहर मुख्य द्वार पर लोहे का गेट लगाया गया है. इस सुरंग और मंदिर के आसपास के इलाके में कई रहस्यमयी कहानियां प्रचलित हैं, जो इस स्थान को और भी रहस्यमय बनाती हैं.

तालाब और टीले का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 1250 ईस्वी में थारू समाज के लोग इस क्षेत्र में निवास करते थे और यहां पूजा-पाठ करते थे. कई साल पहले टीले की खुदाई के दौरान यहां से लंबी तलवारें और 10 फीट लंबे कंकाल मिले थे. इसके अलावा, खुदाई में छोटी-छोटी सोने की मूर्तियां और सिक्के भी मिले थे. गोरखपुर के क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी नरसिंह की अगुवाई में आई टीम के अनुसार, यहां से मिले ईंटों और बर्तनों के टुकड़े छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 1250 ईस्वी तक के हैं, जो दर्शाता है कि यह स्थान 2600 वर्ष पूर्व एक नगर रहा होगा.

ग्रामीणों की मान्यताएं और अनुभव

ग्रामीण बताते हैं कि इस तालाब की मिट्टी का उपयोग राजा द्वारा टीले के निर्माण के लिए किया गया था. उन्होंने यह भी कहा कि रात में तालाब में एक सोने की नाव चलती थी, जिसमें राजा, रानी, और परियां बैठकर भ्रमण करती थीं. शिव मंदिर में भारी मात्रा में सोना और चांदी छिपा हुआ माना जाता है.

क्या है कहानी

कुछ वर्षों पूर्व, जब एक नाई ने हल चलाते समय मटके में सोना-चांदी पाया था, तो उसके बाद उसके बैल की मृत्यु हो गई और खजाने से मायारूपी आवाजें आने लगीं. यह सुनकर नाई ने वह खजाना वहीं वापस रख दिया, जहां से उसने इसे पाया था. ग्रामीणों का मानना है कि खुदाई में और भी बड़े ईंटें और मकानों की नींव मिल सकती है, जो इस स्थल की प्राचीनता और महत्व को और बढ़ा सकती हैं.

चीन और पाकिस्तान का कहीं नाम ही नहीं

भारतीय रेलवे ने रचा कीर्तिमान अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर

» ट्रेन के द्वारा कार ढोने के मामले में चीन और जर्मनी सहित दुनिया के कई बड़े-बड़े देशों को पीछे छोड़ दिया

मुंबई। बीते 11 सालों में भारतीय रेलवे ने कई मोर्चा पर कीर्तिमान हासिल किया है। भारतीय रेलवे नई ट्रेन से लेकर परिवहन के मामले में नए मापदड़ तय कर रही है। इसी कड़ी में रेलवे ने नई कारों को ढोने में जबरदस्त तरक्की की है। वित्त वर्ष 2013-14 में जितनी कारें बनती थीं, उससे सिर्फ 1.5 प्रतिशत ही रेल से जाती थीं। लेकिन 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 24 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया है। इस मामले में भारतीय रेलवे ने कई बड़े-बड़े देशों को पीछे छोड़ दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि बीते वित्तीय वर्ष में देश में कुल 50.6 लाख कारें बनीं। इसमें से करीब 12.5 लाख कारों को ट्रेनों से भेजा गया। सिर्फ पिछले चार सालों में, ट्रेनों से जाने वाली कारों की संख्या 14.7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 24.5 प्रतिशत हो गई है। हमें उम्मीद है कि यह सिलसिला जारी रहेगा। क्योंकि कार बनाने वाली कंपनियों को रेल ज्यादा सुविधाजनक, किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर लगती है।

ट्रेन के द्वारा कार ढोने के मामले में भारत ने चीन और जर्मनी सहित दुनिया के कई बड़े-बड़े देशों को पीछे छोड़ दिया है। पूरी दुनिया में ट्रेनों से कारों को ढोने के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर अमेरिका है, जहां करीब 75 लाख कारें रेल से जाती हैं। जर्मनी लगभग 6 लाख कारों के साथ तीसरे नंबर पर है।

सूत्रों का कहना है कि ट्रकों से 600 किमी से ज्यादा दूर जाने वाली कारों की संख्या करीब आधी हो गई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि रेलवे इस काम में ज्यादा हिस्सा पाना चाहता है। लॉजिस्टिक्स कंपनी के बड़े अधिकारी ने कहा कि इससे सड़क परिवहन उद्योग को बहुत नुकसान हुआ है, जो ज्यादा लोगों को नौकरी देता है। रेलवे ज्यादा रैक उपलब्ध करा रहा है और कारोबार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन भी दे रहा है। रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि ट्रेनों से कारों को ढोने में यह उछाल लगातार कोशिशों की वजह से आया है। 2013-14 में इस काम के लिए सिर्फ 10 रैक थे। साल 2021 तक इनकी संख्या 29 हो गई और अब यह 170 है। उन्होंने बताया कि 2024-25 में कारों को ढोने के लिए कुल 7,578 चक्कर लगाए गए। दो साल पहले रेलवे ने वैगनों को इस तरह से डिजाइन किया कि उसमें एसयूवी जैसी बड़ी गाड़ियां भी दोनों डेक पर आ सकें। पहले एक रैक में 27 वैगन होते थे, जिसमें सिर्फ 135 एसयूवी आ पाती थीं। लेकिन अब इनकी संख्या दोगुनी होकर 270 हो गई है। इससे रेलवे एक बार में ज्यादा गाड़ियां ले जा पाता है।रेलवे की इस तरक्की से सड़क परिवहन कंपनियों को जरूर थोड़ी परेशानी हो रही होगी। लेकिन इससे पर्यावरण को फायदा हो रहा है, क्योंकि ट्रेनें ट्रकों के मुकाबले कम प्रदूषण करती हैं।

तेल की कीमत से व्यापार मार्ग तक

पश्चिम एशिया में संघर्ष का भारत पर क्या और कितना असर?

नई दिल्ली। इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष अब पांचवें दिन पर पहुंच चुका है। दोनों ही देशों ने एक-दूसरे के ऊपर जबरदस्त हमले किए हैं। जहां इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों से लेकर सैन्य अफसरों तक को एयरस्ट्राइक में निशाना बनाया, वहीं ईरानी सेना की तरफ से बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए इस्राइल पर कहर बरपाया गया है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, इस्राइल में 24 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। वहीं, ईरान में 220 लोगों की जान जाने की खबर है। इस पूरे घटनाक्रम पर भारत ने करीब से नजर रखी है। ईरान में फंसे अपने छात्रों को आर्मेनिया के रास्ते निकालने के बाद अब विदेश मंत्रालय ने तेहरान में रह रहे भारतीयों को शहर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रुकने को कहा है। इस बीच अमेरिका के भी इस जंग में कूदने की खबरें हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान के लोग जल्द से जल्द तेहरान छोड़ दें। इस्राइल और ईरान के बीच अगर यह संघर्ष पूरी तरह युद्ध में बदलता है तो इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ने के आसार हैं। इतना ही नहीं दोनों देशों में भारतीयों की अच्छी-खासी संख्या, जो कि पूर्ण युद्ध की स्थिति में खतरे में पड़ सकती है। अमेरिका की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों के चलते भारत फिलहाल ईरान से कच्चा तेल आयात नहीं करता। लेकिन दुनियाभर में तेल के एक अहम सप्लायर के तौर पर चिह्नित ईरान से तेल की आपूर्ति रुकने से ओपेक देशों पर इसका भार पड़ेगा। नतीजतन तेल उत्पादक देश कच्चे तेल के दामों को बढ़ा सकते हैं। मौजूदा समय की बात की जाए तो ब्रेंट क्रूड 74-75 डॉलर प्रति बैरल पर है, जो कि पिछले बंद से करीब 1.5 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, भारत की चिंता ईरान की तरफ से पश्चिमी देशों को दी गई एक धमकी है। ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर देगा। लाल सागर के अलावा इस बार होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला मार्ग एक ऐसा कारक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक पेट्रोलियम पदार्थों की खपत का 21त्न इसी मार्ग से गुजरता है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए शीर्ष गंतव्य हैं। ओमान भी भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करता है।

ईडी ने डीके सुरेश को किया तलब

ऐश्वर्या गौड़ा धोखाधड़ी मामले में होगी पूछताछ

बंगलूरू। प्रवर्तन निदेशालय ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के छोटे भाई कांग्रेस नेता डीके सुरेश को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि एक स्थानीय महिला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़े कथित धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए डीके सुरेश को बुलाया गया है।

19 जून को पेश होकर बयान दर्ज कराने को कहा- सूत्रों के मुताबिक, पूर्व सांसद सुरेश को 19 जून को पेश होने और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। संघीय जांच एजेंसी ने स्थानीय महिला 33 वर्षीय ऐश्वर्या गौड़ा को अप्रैल में उसके और कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी के खिलाफ छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था।

कई हाई-प्रोफाइल राजनेताओं के साथ नजदीकी का दावा- ईडी ने तब एक बयान में कहा था कि महिला ने कई हाई-प्रोफाइल राजनेताओं के साथ नजदीकी का दावा किया। उसने लोगों को सोना, नकदी और बैंक जमा पर उच्च रिटर्न का वादा करके धोखा दिया। उस पर आरोप है कि उसने सुरेश के नाम का इस्तेमाल किया और उसकी बहन होने का दावा किया।

सुरेश ने बंगलूरू पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई थी- सुरेश ने बंगलूरू पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि उनके नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि ईडी ने जांच के तहत कुलकर्णी का बयान दर्ज किया है। गौड़ा और उनके पति हरीश केएन के अलावा अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला कर्नाटक के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई विभिन्न एफआईआर से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी से बचाने किया इंकार

खाते में अचानक आए लाखों रुपये, अब पड़ गए परेशानी में

नई दिल्ली। आपके खाते में अचानक पैसा आ जाए, तब तुरंत पुलिस को बताना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपको दिक्कत हो सकती हैं। इस तरह के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक आदमी को गिरफ्तारी से बचाने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शख्स अपने खाते में 20 लाख रुपये आने के बाद पुलिस को बताने में चार महीने लगा दिए। यह पैसा साइबर क्राइम से आया था। बिहार के नवादा के शिवनगर गांव निवासी एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मांगी थी।

दिल्ली पुलिस ने शख्स को साइबर धोखाधड़ी के मामले में बुलाया था। शख्स ने कहा कि उसके खाते का इस्तेमाल उसके किरायेदार ने किया। किरायेदार ने लोन लेने के बहाने उसके खाते की जानकारी लेकर खाते को हैक कर लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता का कहना हैं कि उसके खाते का गलत इस्तेमाल हुआ। वकील राकेश सिंह ने बताया कि उनके क्लाइंट दिल्ली पुलिस के सामने पेश हुए और जांच में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने सारी जानकारी भी दी है। उन्होंने सवाल किया कि उनके क्लाइंट को पैसा कब मिला और उन्होंने पुलिस को कब बताया। इस पर कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता ने पुलिस को करीब चार महीने बाद बताया। पैसा पिछले साल सितंबर में उसके खाते में आया था और शख्स ने जनवरी में पुलिस से संपर्क किया। बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता को राहत नहीं दी जा सकती और उसकी याचिका खारिज कर दी। मामले में, एक ही दिन में अलग-अलग जगहों से उसके खाते में कई बार पैसे ट्रांसफर हुए। यह राशि 5 करोड़ रुपये से अधिक थी। अलग-अलग लेनदेन के लिए 13 मामले दर्ज हुए। इसमें से एक दिल्ली से 20 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी का मामला था। उसके खाते में जमा किए गए 20 लाख रुपये कुछ ही घंटों में तीन अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिए गए।

अभियोजन पक्ष का कहना है कि शिकायतकर्ता को एक व्यक्ति ने 20 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए लुभाया था। जांच के दौरान पता चला कि यह राशि बिहार में याचिकाकर्ता के बैंक खाते में ट्रांसफर की गई थी।

कमजोर वैश्विक मांग के बीच सोने के भाव में 1200 रुपये की गिरावट, चांदी चमकी

नई दिल्ली। आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की लगातार बिकवाली के बीच मंगलवार को राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 1,200 रुपये गिरकर 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,100 रुपये घटकर 99,450 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 1,01,370 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं, मंगलवार को चांदी की कीमत 100 रुपये बढ़कर 1,07,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। सोमवार को चांदी की कीमत 1,07,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर सोना हाजिर गिरावट के साथ 3,380.65 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.44 प्रतिशत बढ़कर 36.47 डॉलर प्रति औंस हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि इस्राइल-ईरान तनाव को लेकर संघर्ष विराम की संभावना ने सोने के व्यापारियों के बीच मंदी की भावना को बढ़ा दिया है। यह बदलाव उन खबरों के बाद आया है, जिसमें कहा गया कि ईरान इस्राइल के साथ बढ़ते तनाव के लिए सक्रिय रूप से कूटनीतिक समाधान की कोशिश कर रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई । बीएसई सेंसेक्स 212.85 अंक तकरीबन (0.26 फीसदी) की गिरावट के साथ ही 81,583.30 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 93.10 अंकों (0.37फीसदी) नीचे आकर 24,853.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ पर आज आज बाजार ने ये तेजी गंवा दी। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 9 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही जबकि बाकी की 21 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए और बाकी की सभी 39 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि सनफार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.18 फीसदी की गिरावट रही।वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज , इंफोसिस 0.92, मारुति सुजुकी 0.60, एनटीपीसी 0.48, टीसीएस 0.46, एचसीएल टेक 0.40, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.18 और पावरग्रिड के शेयर 0.12 फीसदी की बढ़त पर बंद हुए जबकि एटरनल (जोमेटो) के शेयर 1.92 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.70 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.58 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.40फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.28फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.28फीसदी, टाटा स्टील 0.97 फीसदी, टाइटन 0.88फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.87फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.62 फीसदी, रिलायंस 0.50फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.45 फीसदी, भारती एयरटेल 0.40 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.37फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.28 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.20 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.18फीसदी, आईटीसी 0.12फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.11फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

यूआरएल क्लोकिंग, नकली केवाईसी व शैल कंपनियों से कमाए 800 करोड़

नई दिल्ली। निवेशकों को उच्च रिटर्न देने का झूठा वादा किया। वेबसाइट का यूआरएल छिपाया यानी यूआरएल क्लोकिंग का सहारा लिया। उसके बाद नकली केवाईसी किया। धन को घुमाने के लिए शैल कंपनियां खोली और खच्चर खातों की मदद से निवेशकों का फंड गोल कर दिया। जब भी कोई निवेशक पूछता, उन्हें कहा जाता कि उनका फंड अच्छी जगह लगा है, बड़ा रिटर्न मिलेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई जोनल कार्यालय ने इस मामले का खुलासा किया है।

» खच्चर खातों की मदद से निवेशकों का फंड गोल

पिछले सप्ताह जांच एजेंसी ने मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और गुड़गांव में सात स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत छापेमारी की थी। तलाशी की कार्रवाई के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस पाए गए। उन्हें जब्त कर लिया गया। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरों जैसे ऑक्टाएफएक्स ट्रेडिंग ऐप और वेबसाइट www.octafx.com के माध्यम से अवैध ऑनलाइन विदेशी मुद्रा व्यापार के मामले में जांच की जा रही है। ईडी के मुताबिक, ऑक्टाएफएक्स फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए उच्च रिटर्न के झूठे वादे के साथ निवेशकों को ठगने के आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ शिवाजी नगर पीएस, पुणे द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की गई थी। ईडी की जांच से पता चला कि ऑक्टाएफएक्स, मेसर्स ऑक्टाएफएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में, आरबीआई की अनुमति के बिना भारत में काम कर रहा था। उन्होंने फॉरेक्स ट्रेडिंग की आड़ में निवेशकों को धोखा दिया। एक साल से भी कम समय में 800 करोड़ रुपये से अधिक कमाए। ईडी की तलाशी से पता चला है कि ऑक्टाएफएक्स ने निवेशकों के फंड को खच्चर खातों के माध्यम से अनधिकृत भुगतान एग्रीगेटर डाइनेरो पेमेंट सर्विसेज के एस्क्रो खातों में भेजा। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में प्रस्तुत होने वाली शेल फर्मों को भुगतान गेटवे तक पहुंचने और पहचान से बचने के लिए नकली केवाईसी का उपयोग करके शामिल किया गया था। निवेशकों के फंड को ऑनलाइन खरीदारी के रूप में प्रच्छन्न किया गया। उसे कई खातों के माध्यम से स्तरित किया गया। अंतत: उनके मूल को अस्पष्ट करने के लिए नकली विदेशी मुद्रा या सट्टेबाजी भुगतान के रूप में वितरित किया गया। यह भी पता चला कि लगभग 50% उपयोगकर्ता फंड ऑक्टाएफएक्स प्लेटफॉर्म से खच्चर भुगतान खातों में डायवर्ट किए गए थे। इन खातों का उपयोग ई-कॉमर्स रिफंड, चार्जबैक, विक्रेता भुगतान आदि के झूठे बहाने के तहत धन वितरित करने के लिए किया गया था, जिससे धन के वास्तविक प्रवाह और उद्देश्य को प्रभावी ढंग से छुपाया गया।

अब जनरल में सफर करते हुए एसी क्लास के भोजन का कम दामों में ले सकेंगे आनंद

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी जनरल क्लास में सफर करने वाले यात्रियों को तोहफा देने जा रहा है। उन्हें यात्रा के दौरान न तो खाने की परेशानी होगी और न ही पीने के पानी के लिए उधर-उधर भटकना होगा। खास बात यह है कि आईआरसीटीसी इन यात्रियों को वही खाना उपलब्ध कराएगा जो एसी कोच में उपलब्ध कराया जाता है और कीमत भी काफी कम रखी गयी है। ट्रेनों में सफर के दौरान सबसे ज्यादा परेशानी जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों को होती है। सफर के दौरान खाने से लेकर पानी तक की परेशानी होती है। अब इससे निजात मिल जाएगी।

आईआरसीटीसी अक्षयपात्र योजना के तहत जनरल क्लास में सफर करने वाले यात्रियों को खाना और पानी पहुंचाने के लिए यह पहल शुरू की है। इस योजना के तहत 80 रुपये में अच्छी गुणवत्ता वाला खाना यात्रियों को परोसा जाएगा। इसमें दाल, चावल, सब्जी, रोटी, अचार, नेपकिन और खाने के लिए चम्मच होगी। इसकी पैकिंग नामी फूड कंपनियों जैसी की जा रही है। जिससे खाने वाले यात्रियों को भी देखकर अच्छा लगेगा।

खास बात यह है कि यह खाना जनरल क्लास में सप्लाई किया जा रहा है। आईआरसीटीसी के वेंडर कोचों में जाकर खाना उपलब्ध करा रहे हैं। इसके अलावा स्टेशनों में जनरल क्लास के सामने टेबल लगाकर खाना उपलब्ध कराया जा रहा है। आईआरसीटी के अनुसार जनरल क्लास का यात्री सीट से नीचे नहीं उतर सकता है। क्योंकि उसकी सीट में दूसरा यात्री बैठ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली स्टेशन पर जनरल क्लास के सामने टेबल लगाकर खाना दिया जा रहा है। जिससे उन्हें खाने के लिए दूर न जाना पड़े। यह सुविधा यात्रियों को काफी पसंद आ रही है। इसी के चलते तीन और स्टेशनों पर यह सुविधा जल्द शुरू की जा सकती है। इनमें वाराणसी, गोरखपुर और लखनऊ स्टेशन शामिल हैं।

शुभमन की टीम के सामने तीन विदेशी दौरे

द. अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का रास्ता कठिन

टीम इंडिया 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ नए टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र के समापन के साथ ही अब नए चक्र को लेकर बातें होनी शुरू हो गई हैं। इस चक्र को दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अपने नाम किया। तेम्बा बावुमा की टीम ने गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। अब नए चक्र की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसकी शुरुआत 17 जून से हो जाएगी, जब श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें भिड़ेंगी। वहीं, टीम इंडिया 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ नए टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी। यह डब्ल्यूटीसी का चौथा संस्करण होगा। इस दौरान अगले दो साल में नौ टीमों के बीच कुल 71 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इस चक्र में कई टीमें बदलाव के दौर से गुजरेंगी और एक नई शुरुआत करना चाहेगी।

बदलाव के दौर से गुजर रही कई टीमें

इसमें टीम इंडिया भी शामिल है, जो नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में इस चक्र में उतरेगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद से भारतीय टीम बदलाव के दौर में है। वहीं, इंग्लैंड की टीम के लिए भी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के बिना सफर आसान नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को भी इस बार कठिन चुनौतियां मिली हैं और उनके लिए स्थिर बने रहना बड़ी चुनौती होगी। वहीं, पाकिस्तान को एक बार फिर आसान विदेशी दौरे मिले हैं, लेकिन उनके लिए इससे पार पाना बड़ी चुनौती होगी। पाकिस्तान की टीम 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र में आखिरी यानी नौवें स्थान पर रही थी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में सबसे ज्यादा 22 टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं, इंग्लैंड की टीम 21 मैच खेलेगी। इसके बाद 18 मैचों के साथ भारत तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड को 16 और दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज को 14-14 टेस्ट खेलने हैं। पाकिस्तान की टीम 13 और श्रीलंका-बांग्लादेश को 12-12 टेस्ट खेलने हैं। 2025-27 चक्र में प्रतिस्पर्धा करने वाले नौ देशों के बीच खेली जाने वाली 27 टेस्ट सीरीज में से 17 सीरीज में केवल दो मैच होंगे, जबकि तीन मैचों की छह सीरीज होंगी। श्रीलंका, बांग्लादेश, भारत और इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम इस चक्र में अपने अभियान की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स प्रमोशन मामला

हरभजन सहित तीन क्रिकेटरों पर ईडी ने शिकंजा कसा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह , हरभजन सिंह और सुरेश रैना के लिए अवैध सट्टेबाजी ऐप्स का प्रमोशन करना महंगा पड़ सकता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इन अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस जांच में क्रिकेटरों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और अभिनेता सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच एक प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। ईडी का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों से पैसा ऐंठ रहा है।

जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म गलत तरीक का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और क्यू आर कोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। ईडी के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का उल्लंघन है। वहीं ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद को स्किल-आधारित गेम बताते हैं पर ये असल में धोखेबाजी के लिए रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुए के दायरे में आते हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार इस प्रकार के प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटीज का सहारा लेकर लोगों को गुमराह करते हैं।

शुरुआती जांच में कई कानूनों सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम धन शोधन निवारण अधिनियम के उल्लंघन की बात सामने आयी है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना और उर्वशी रौतेला व सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने अब तक इसपर कोई जवाब नहीं दिया है। जांच में यह भी पता चला है कि इन विज्ञापन अभियानों को चलाने के लिए विभिन्न कंपनियों को 50 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है।

भारतीय टीम के पास इंग्लैंड में जीतने का अच्छा अवसर : हेडन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम युवा है। इसके बाद भी उसके पास इंग्लैंड में सीरीज जीतने का अच्छा अवसर है क्योंकि मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रामक इस बार अच्छा नहीं है। हेडन के अनुसार इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में अगर भारतीय टीम लीड्स और मैनचेस्टर में मैच जीतने में सफल रहती है तो उसके पास इंग्लैंड के खिलाफ दबाव बनाकर सीरीज जीतने का अवसर होगा। भारत और इंग्लैंड पांच मैचों की इस सीरीज के साथ ही अपने नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेंगे। इस श्रृंखला का पहला मैच शुक्रवार से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं मैनचेस्टर में 23 जुलाई से चौथा टेस्ट होगा। हेडन ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इंग्लैंड के गेंदबाज इस बार अधिक अच्छे हैं। उसके कई गेंदबाज चोटिल हैं वहीं कई खिलाड़ी संन्यास ले चुके हैं। उसके लिए यही बड़ी चुनौती होगी।'' उन्होंने कहा, ''उत्तरी इंग्लैंड में होने वाले टेस्ट मैच काफी अहम होंगे। भारत अगर इन मैच में जीत हासिल कर लेता है तो वह सीरीज पर कब्जा कर सकता है।'' भारत के इंग्लैंड के पिछले दौरे के बाद से मेजबान टीम के दो सबसे अनुभवी गेंदबाजों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। यही नहीं इंग्लैंड के कुछ प्रमुख तेज लिया है। वहीं तेज गेंदबाज मार्क वुड चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे और गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं।

आईसीसी ने छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों के प्रारुप को मंजूरी दी

भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर लागू नहीं होगा ये नियम

दुबई। आने वाले दिनों में टेस्ट क्रिकेट बदला बदला सा नजर आयेगा। खेल के प्रति आकर्षण बनाये रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027-29 के सत्र से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों के प्रारुप को मंजूरी दी है। वहीं भारत , ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर ये नियम लागू नहीं होगा और ये पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार मैचों की संख्या एक दिन घटाने से अहम बदलाव होगा और इससे छोटे देश अधिक टेस्ट के साथ ही लंबी अवधि की सीरीज खेल सकेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया है, ''पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह 2027-29 के डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए सहमत हो गये थे।'' इसमें कहा गया है कि 'इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने की अनुमति रहेगी।

आईसीसी ने पहली बार साल 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी चार दिवसीय टेस्ट मैच खेला था। इस रिपोर्ट के अनुसार, ''कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने में रुचि नहीं ले रहे हैं पर चार दिवसीय टेस्ट मैच शुरू होने से तीन टेस्ट मैचों की पूरी सीरीज तीन सप्ताह से भी कम समय में खेली जा सकेगी।'' इसमें कहा गया है, ''समय को बर्बाद करने से बचने के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों में खेल के समय को 90 ओवर प्रतिदिन से घटाकर 98 ओवर कर दिया गया है।''

रोहित और विराट की कप्तानी में खेलने से काफी कुछ सीखने को मिला : शुभमन

लंदन। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का कहना है कि उनके पास रोहित शर्मा और विराट कोहली की कप्तानी में खेलने का अनुभव है और इससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है जिसका लाभ उन्हें सीरीज में मिलेगा। शुभमन ने कहा कि कैसे रोहित मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों को जो कुछ भी कहते थे कोई नाराज नहीं होता था। वही कोहली के पास हमेशा एक बैकअप विकल्प हुआ करता था। शुभमन के अनुसार कोहली कप्तान के तौर पर मैदान में हमेशा आक्रामक रहते थे। गेंदबाजों की सहायता के लिए उनके पास हमेशा योजना होती थी। शुभमन ने कहा, 'जब मैं विराट की कप्तानी में खेलता था तो टेस्ट मैच के दौरान मैदान में उनके आक्रामक रुख और विचारों को सोच को पसंद करता था और उसने सीखता था। वहीं अगर उन्हें लगता था कि यह ठीक है, यह योजना काम नहीं कर रही तो वह तुरंत एक दूसरी योजना रखते थे, गेंदबाजों को बताते थे कि वह उनसे क्या चाहते हैं।' वहीं रोहित की कप्तानी पर शुभकन ने कहा कि आप को ऐसा लग सकता है कि वह मैदान में आक्रामक नहीं दिखते पर जब रणनीति की बात हो तो वह बहुत ही ज्यादा आक्रामक थे। साथ ही कहा, देखने में यह लग सकता है कि रोहित शांत हैं लेकिन वह अपनी रणनीतियों को लेकर बहुत ही आक्रामक हो सकते हैं। वह बहुत ही आक्रामक कप्तान हैं। वह मैच से पहले, सीरीज के दौरान और यहां तक कि सीरीज के बाद भी साफ-साफ बता देते थे कि वह खिलाड़ियों से क्या चाहते हैं।

योगराज सिंह ने चयनकर्ताओं पर कई खिलाड़ियों का करियर खराब करने का आरोप लगाया

चंडीगढ़। अपने विवादास्पद बयानों के लिए चर्चाओं में रहने वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर योगराज सिंह ने अब पूर्व चयनकर्ताओं पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सात खिलाड़ियों का करियर खराब किया था। उन्होंने कहा है कि इन चयनकर्ताओं ने उन खिलाड़ियों को ही बाहर कर दिया जिन्होंने 2011 का विश्वकप जिताया था। साथ ही कहा कि साल 1983 के बाद भारत ने दूसरी बार एकदिवसीय विश्व कप जीता था पर हैरानी की बात ये रही कि केवल 3 ही खिलाड़ी ऐसे थे, जिन्हें अगले विश्व कप में खेलने का अवसर मिला। योगराज ने ये भी कहा कि तब महेन्द्र सिंह धोनी के हाथ से कप्तानी जाने वाली थी। योगराज ने कहा कि विराट कोहली, धोनी और आर अश्विन ही तीन ऐसे खिलाड़ी थे, जो 2011 के बाद अगले विश्व कप में खेले। बाकी के 12 खिलाड़ी उस विश्व कप में नहीं खेले, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला गया था। योगराज ने उस समय के चयनकर्ताओं पर निशाना साधते हुए कहा, आपने कई खिलाड़ियों को बिना किसी कारण के बर्बाद कर दिया। इसमें गौतम गंभीर, युवराज सिंह, हरभजन सिंह, जहीर खान, मोहम्मद कैफ, जैसे खिलाड़ी थे। योगराज ने साथ ही कहा कि तब धोनी को हआया ज सकता था, क्योंकि टीम हारती जा रही थी। उन्होंने कहा, जब धोनी कप्तान थे, तब टीम 5 सीरीज हारी और उनसे कहा गया कि आपको हटाया जाएगा। योगराज सिंह ने ये भी दावा किया कि उन्होंने अपने बेटे युवराज से रिटायरमेंट नहीं लेने पर विचार करने का कहा था और बोले थे वे उन्हें टीम इंडिया का कप्तान बनवाएंगे।योगराज ने कहा, जब युवराज रिटायरमेंट ले रहे थे, तब भी मैंने उनसे वादा किया था कि मैं उन्हें भारतीय टीम का कप्तान बनने में मदद करूंगा और हम सभी को टीम से बाहर कर देंगे, लेकिन उन्होंने टीम छोड़ दी।

> » चयनकर्ताओं ने उन खिलाड़ियों को ही बाहर कर दिया जिन्होंने 2011 का विश्वकप जिताया था

आईसीसी के खिताबी मुकाबलों में अब तक चार बार हारी है ऑस्ट्रेलिया

मुम्बई। अब तक सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी चार बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम आईपीसी टूर्नामेंट में खेलते समय बेहद जुनूनी और आक्रामक हो जाती है जो उसकी सफलता का राज माना जाता है। इसी कारण उसे अन्य टीमों से काफी अधिक सफलता मिली है।

ऑस्ट्रेलिया के पास आईसीसी की सबसे ज्यादा ट्रॉफी हैं क्योंकि उसने सबसे अधिक फाइनल खेले हैं हालांकि इसके बाद भी उसे इस बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में कमजोर समझी जाने वाली दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले तीन बार और ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी इवेंट के फाइनल में हारी झेलनी पड़ी है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम सबसे पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट के पहले फाइनल में 1975 में वेस्टइंडीज से हारी थी। ये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का पहला एकदिवसीय विश्वकप था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एकमात्र टीम है, जिसने इन 50 सालों में सबसे ज्यादा फाइनल खेले हैं और उसे कुछ में ही हार का सामना करना पड़ा है। सबसे ज्यादा फाइनल जीते हैं, लेकिन सबसे कम फाइनल हारे हैं।

साल 1975 के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी बार आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप फाइनल 1996 में श्रीलंका से हारी थी। ये दूसरा अवसर था, जब ऑस्ट्रेलिया को किसी मेगा इवेंट के खिताबी मैच में करारी हार मिली थी। इसके बाद 2010 तक कंगारु टीम कोई भी फाइनल नहीं हारी। इस दौरान कई आईसीसी इवेंट वह जीती।

साल 2010 में तीसरी बार आईसीसी इवेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम हारी। ये टी20 विश्वकप फाइनल इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था। इस प्रकार उसे तीसरी बार फाइनल में हार मिली। है, जो डब्ल्यूटीसी 2025 का फाइनल था। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कुल 10 आईसीसी इवेंट जीते हैं, जबकि भारतीय टीम ने 7 ट्रॉफी जीती हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 6 एकदिवसीय विश्वकप, दो चैंपियंस ट्रॉफी और एक-एक टी20 विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप जीती हैं।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल अभियान के राज्य स्तरीय शिविर में शामिल हुए

जनजाति सशक्तिकरण का धरती आबा अभियान ऐतिहासिक कदम : राज्यपाल

» धरती आबा अभियान को सफल बनाना हम सभी का दायित्व है : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के नागरिकों का कल्याण, सशक्तिकरण और विकास करना है।

सरकार का यह प्रयास है कि जनजातीय समुदाय के जो नागरिक अभी तक सरकार की सेवाओं, सुविधाओं और योजनाओं से वंचित रह गए हैं, उन्हें लाभान्वित किया जाएं। उनकी देश के विकास में सहभागिता को सशक्त नागरिक के रूप में सुनिश्चित किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल धरती आबा अभियान के तहत सीहोर जिले के ग्राम झोलियापुर में आयोजित राज्य स्तरीय शिविर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार के 18 मंत्रालय समन्वित रूप से अभियान का संचालन कर रहे हैं। सभी जरूरतमंद नागरिकों के लिए पीएम आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम उज्वला योजना, एनआरएलएम सहित अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का यह अभियान तभी सार्थक होगा, जब हम सभी मिलकर इस अभियान को सफल बनाने का प्रयास करेंगे। हम सभी का यह दायित्व है कि हम उन सभी जनजातीय समुदाय के नागरिकों को अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में जाकर योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें और उनकी सहायता करें। उन्होंने कहा कि धरती आबा अभियान के तहत जनजातीय समुदाय के नागरिकों को दिए गए लाभ की मॉनिटरिंग भी की जा रही है और जल्द ही वे इसका अवलोकन करने पुन: सीहोर आएंगे।

राज्यपाल श्री पटेल ने राज्य स्तरीय शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। धरती आबा अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर विधायक श्री रमाकांत भार्गव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रारंभ में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने धरती आबा अभियान के तहत जिले में संचालित गतिविधियों एवं क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी दी। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने आभार व्यक्त किया।

रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को मिला नवजीवन

» मुख्यमंत्री ने की पुनरूद्धार कार्य की सराहना

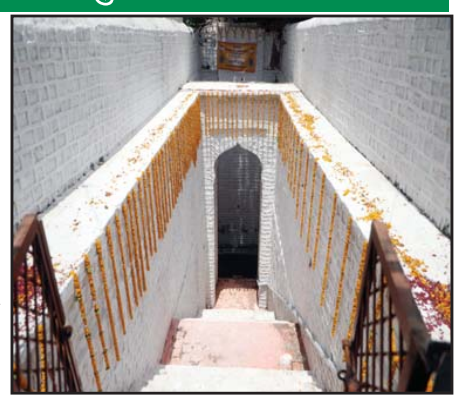

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुरानी जल-संरचनाओं को फिर से उसी स्वरूप में लाने के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने उज्जैन की रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को नवजीवन के साथ पुरानी वैभव भी लौटाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस शानदार कार्य की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने उज्जैन प्रवास के दौरान चिंतामण स्थित लक्ष्मी बावड़ी पहुंचे थे और बावड़ी उत्सव में शामिल होकर जीर्णोद्धार कार्य की शुरूआत पूजन करके की थी।

उज्जैन में चिंतामण मंदिर स्थित लक्ष्मण बावड़ी का भी साफ-सफाई, रंगरोगन और पुनरुद्धार कार्य किया गया। प्राचीन लक्ष्मण बावड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पौराणिक स्थल है। इस बावड़ी का उल्लेख कई प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। जन आस्था के अनुसार इसके जल को पवित्र और चमत्कारी माना जाता रहा है। यह बावड़ी रामायण काल से आज तक उज्जैन की धरती पर स्थित है और स्थानीय जनआस्था का केन्द्र बनी रही है। लेकिन समय के साथ रखरखाव की कमी के चलते यह अपना मूल स्वरूप खो चुकी थी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लक्ष्मण बावड़ी में किए गए कार्य के बाद बावड़ी को पुनर्जीवन मिला। भागीरथी प्रयासों से आज यह प्राचीन बावड़ी फिर से अपने पौराणिक स्वरूप में लौट आई है और आस्था के केन्द्र के रूप में पुन: स्थापित हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं बावड़ी उत्सव के दौरान इसी स्थान पर पहुंचे, उन्होंने बावड़ी का निरीक्षण, पूजन किया और जल संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लाखों जल संरचनाओं को जीर्णोद्धार कर पुनर्जीवन प्रदान किया गया है। यह अभियान 30 जून तक संचालित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में जल गंगा संवर्द्धन अभियान के अंतर्गत अनेक स्थानों पर प्राचीन बावड़ी मिली है। जिला प्रशासन ने इनके संरक्षण के लिये जनभागीदारी से साफ-सफाई कार्य को प्राथमिकता से किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेशभर में 30 मार्च गुड़ी पड़वा नववर्ष प्रतिपदा पर जल गंगा संवर्द्धन अभियान की शुरूआत की गई थी।

8 किलो का ट्यूमर निकालने 8 घंटे चली सर्जरी

दर्द, उल्टी, भूख न लगने जैसी थी समस्याएं जांच में किडनी के पास मिला ट्यूमर

भोपाल। भोपाल में 18 साल की युवती बीते 6 महीने से लगातार पेट दर्द, उल्टी, भूख न लगना और तेजी से वजन कम होने जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही थी। लंबे समय तक मेडिकल स्टोर से दवा लेकर और पास के क्लिनिक में इलाज चलता रहा। लेकिन, आराम नहीं मिला। जब स्थिति बिगड़ने लगी तो परिजन उसे सागर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल (स्रू॥) लेकर पहुंचे। जहां कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. शुभम पांडे ने जांच कराई तो 8 किलो का ट्यूमर होने की बात सामने आई। डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल ऑपरेशन का प्लान तैयार किया, जिसके तहत युवती के पेट से 8 किलो का ट्यूमर निकाला गया। यह सर्जरी करीब 8 घंटे तक चली और युवती की जान बच सकी।

किडनी के पास था ट्यूमर- जांच में सामने आया कि युवती के पेट में बांई किडनी और पेनक्रियाज के पास एक ट्यूमर विकसित हो चुका है। जो उसके पेट के महा धमनियों से भी चिपका हुआ था। यह स्थिति बेहद जटिल और जोखिम भरी थी।

इन्होंने की सफल सर्जरी- डॉ. शुभम पांडे ने एनेस्थीसिया व क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. महेश एस. कुर्वे और उनकी टीम के साथ मिलकर सर्जरी पूरी की। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, सर्जरी के बाद युवती को कुछ दिन पोस्ट-ऑपरेटिव निगरानी में रखा गया और अब उसकी हालत स्थिर है। उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अब वह रूटीन फॉलो-अप में है।

डॉ. शुभम पांडे ने बताया कि यह ट्यूमर बहुत ही दुर्लभ और जटिल था। जो किडनी और पेनक्रियाज जैसे अहम अंगों को प्रभावित कर रहा था। समय पर सर्जरी न होती तो यह युवती की जान के लिए खतरा बन सकता था।

फोन नहीं उठाने पर 15 अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकी

» जो अधिकारी जिम्मेदारी का निर्वहन नही कर पा रहे उन्हे रिप्लेस करें : ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल। बिजली कंपनियों के जिन अधिकारियों द्वारा अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है, उन्हें रिप्लेस करें। ऐसे अधिकारियों के स्थान पर उनके जूनियर सक्षम अधिकारियों को पदस्थ करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बिजली ट्रिपिंग और मेंटीनेंस कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। बैठक में एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं का फोन नहीं उठाने पर 15 अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकी गयी है।

टूर प्रोग्राम की जानकारी भेजें- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि क्षेत्र का सतत भ्रमण करें। उन्होंने कहा कि टूर प्रोग्राम की जानकारी एडवांस में भेजें। निरीक्षण के दौरान सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों, ट्रिपिंग और मेंटीनेंस की स्थिति प्रमुखता से देखें। जिन शिकायतों का निराकरण 3 से 4 घंटे में हुआ है, उनकी कारण सहित जानकारी दें। इस पर भी विचार करें कि क्या मेंटीनेंस का समय 4 घंटे से कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाओं पर तुरंत संज्ञान लें।

समय-सीमा में करें शिकायतों का निराकरण- मंत्री श्री तोमर ने जिलेवार लंबित शिकायतें एवं उनके निराकरण में लगने वाले समय की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करें। अगर कोई बड़ी घटना नहीं हुई है, तो निराकरण में न्यूनतम समय लगना चाहिये। अगर बड़ी घटना हुई है, तो उसका फोटो, वीडियो और की जा रही कार्यवाही को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर अपलोड करें। श्री तोमर ने खासतौर से इंदौर की स्थिति की समीक्षा के दौरान कम्पनी के एमडी को स्पष्ट निर्देश दिये कि जरूरत के अनुसार मेन-पॉवर और इक्यूपमेंट्स की कमी दूर करें। साथ ही यह भी देखें कि मेंटीनेंस के बाद भी ट्रिपिंग क्यों हो रही है। रहवासी संघों और जन-प्रतिनिधियों के साथ लगातार सम्पर्क में रहें। उन्होंने कहा कि मानसून तो अभी शुरू हो रहा है, इसके पहले ही बिजली ट्रिपिंग की इतनी घटनाएँ होना बहुत ही दुखद है। जहाँ जरूरी हो एफओसी की संख्या बढ़ायें। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि विद्युत अवरोध के सही कारणों से लोगों को अवगत करायें।

अटक सकता है 50 हजार कर्मचारियों का जून का वेतन

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने कर्मचारियों का आईएफएमआईएस (इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम) से ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया है। वित्त विभाग ने सभी कलेक्टरों से कहा है कि वे अपने जिले के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम के साथ ईकेवाईसी करा दें। जिन कर्मचारियों और अधिकारियों का ई-केवाईसी 30 जून तक नहीं होगा, उनका जून का वेतन नहीं निकाला जाएगा। विभाग के इस फरमान से प्रदेश के 50 हजार अधिकारी-कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। आयुक्त कोष एवं लेखा ने सभी कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी लोक सेवकों को आईएफएमआईएस के अंतर्गत एम्प्लाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को आधार से लिंक करना है। इसे मैप किए जाने के बाद ही अब कर्मचारियों और अधिकारियों का वेतन निकल सकेगा। इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-केवाईसी सत्यापन का कार्य अभियान के रूप में करें, ताकि जिनका ई-केवाईसी नहीं हो सका है, उनका सत्यापन हो जाए और वेतन निकलने में किसी तरह की दिक्कत न हो। मार्च 2024 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 6 लाख 6 हजार नियमित कर्मचारी हैं। संविदा एवं स्थायी कर्मी समेत अन्य कर्मचारियों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 7 लाख के पार होता है।

सहकारिता में हुए नवाचारों और उपलब्धियों से अवगत होगी केन्द्र सरकार : मंत्री सारंग

» केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री की उपस्थित में होगी उच्च स्तरीय बैठक

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने 20 जून को केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री की उपस्थित में होने वाली उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की तैयारियों संबंधी आवश्यक बैठक ली। प्रस्तावित बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अध्यक्षता करेंगे। बैठक में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सहकारिता विभाग में किये गये नवाचारों और उपलब्धियों को बताया जायेगा। बैठक में सहकारिता विभाग से जुड़े मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, पशुपालन एवं डेयरी, लघु वनोपज संघ के अधिकारी भी शामिल होंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बैठक में मध्यप्रदेश में विकास की ओर सहकारिता के कदम में किये गये सीपीपीपी मॉडल और बीज संघ द्वारा जारी चीता ब्रांड आदि की जानकारी दी जाये।

मध्यप्रदेश में बहुउद्देशीय व्यवसायिक केन्द्र के रूप में पैक्स का रूपांतरण, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में किये गये और प्रस्तावित कार्यक्रमों से अवगत करवाया जाये। साथ ही सहकारिता विभाग में किये जा रहे हर आयामों जैसे विशेष कार्यक्रम, प्रशिक्षण, एडवांस स्टोरेज, माइक्रो एटीएम सहित 1 से 6 जुलाई को होने वाले कार्यक्रमों का भी समावेश किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निर्धारित सहकार से समृद्धि के विज़न के अंतर्गत दी गई गाइड-लाइन्स के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के बारे में भी जानकारी दी जाये।

सामाजिक विकास के लिए मिलकर करें काम : मुख्यमंत्री

» मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग ने चार एनजीओ के साथ किये एमओयू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मंगलवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और चार प्रतिष्ठित गैर शासकीय संगठनों अंतरा फाउंडेशन, प्रदान, पीएचआईए फाउंडेशन और यूएनविमेन के मध्य समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर एवं आदान-प्रदान किया गया। इन एमओयू से प्रदेश के सुनियोजित, समावेशी, सकल और सतत् विकास को बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का सामाजिक परिदृश्य बदल रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर सभी अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सामाजिक विकास के सभी मानकों में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी और सबको विकास का लाभ देने के लिए सरकार गैर शासकीय संगठनों के अनुभवों का भी लाभ उठायेगी। उन्होंने कहा कि म.प्र. राज्य नीति आयोग प्रदेश में संचालित सभी जनहितैषी योजनाओं के लोकव्यापीकरण के जरिए मानवीय और सामाजिक विकास के सभी मानकों में सुधार और बढ़ोतरी के लिए ऐसे एनजीओ के साथ मिलकर काम करे, जिन्हें विषयगत विशेषज्ञता हासिल हो। उन्होंने कहा कि फील्ड में रह कर काम करने वाले एनजीओ से मिले सुझावों पर भी गंभीरता से अमल का प्रयास किया जाये। नीति आयोग, जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन आपसी समन्वय और सामंजस्य से जनता के हित में काम करें।

उल्लेखनीय है कि म.प्र. राज्य नीति आयोग राज्य के सतत् विकास लक्ष्यों के अनुश्रवण और मध्यप्रदेश के दृष्टि पत्र-2047 की तैयारी में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इन साझेदारियों के माध्यम से राज्य में नीति नवाचार, डाटा आधारित सुशासन तथा बहु-क्षेत्रीय विकास को और अधिक सशक्तता एवं व्यापकता के साथ अमल में लाया जायेगा।

नीति आयोग द्वारा जिन चार गैर शासकीय संगठनों के साथ एमओयू किया गया, उनमें अंतरा फाउंडेशन मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और पोषण सुधार पर कार्य में सरकार की मदद करेगा। प्रदान संगठन ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने में सहयोग करेगा। पीएचआईए फाउंडेशन जलवायु-लचीले विकास और समावेशी एवं सतत् विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने में सरकार का नॉलेज पार्टनर के रूप में सहभागी बनेगा। इसी प्रकार यूएनविमेन प्रदेश में जेंडर उत्तरदायी शासन को आगे बढ़ाने में सरकार की मदद करेगा।

मंगलवार को हुए समझौता ज्ञापन के तहत इन आपसी साझेदारियों से गरीबी उन्मूलन एवं आजीविका विकास, स्वास्थ्य और कल्याण, लैंगिक समानता, सभी को स्वच्छ जल, असमानता कम करने, जल सुरक्षा सहित वॉटरशेड संरचनाओं पर काम और जलवायु विकास आधारित कार्रवाई जैसे वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति में तेजी आएगी। ये समझौते समृद्ध मध्यप्रदेश के संकल्प और विजन 2047 के क्रियान्वयन की दिशा में एक ठोस कदम हैं, जो शासन, नीति और नागरिक सेवाओं के सहज और सरल वितरण में नवाचार एवं सहभागिता को बढ़ावा देंगे।

बिजली कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने किया आगाह

व्यापारी व फेरीवाले हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं हाथ ठेले व दुकानें

भोपाल। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आम जनता तथा हाथ ठेले पर सामान बेचने वालों को आगाह किया है कि वे अपने हाथ ठेले तथा फुटकर सामान की दुकानें हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं। कंपनी ने कहा है कि जरा सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए आमजन भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करें एवं बिजली लाइनों तथा ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बना कर ही अपना सामान बेचने के लिए रखें। कई जगह चाय की गुमठियां भी विद्युत लाइनों के समीप तथा ट्रांसफार्मरों से सटाकर चलाई जा रही है, जिनके कारण करंट लगने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील में कहा है कि विद्युत लाइनों/ट्रांसफार्मरों एवं उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आँधी तूफान में खंबे/तार टूटे हों तो इसकी सूचना तत्काल शिकायत कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर/उपाय ऐप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में दें। जमीन पर पड़े तारों को छूने या स्पर्श करने की गलती न करें साथ ही पार करने का प्रयास न करें। पान टपरों तथा ऐसी दुकानों जिनमें लोहे की चादर का इस्तेमाल होता है, में वायरिंग को सुरक्षित ढंग से पी.वी.सी. पाईप के द्वारा ही कराई जाए। किसी प्रकार की कटी-फटी लूज वायरिंग से जान-माल का खतरा हो सकता है। बारिश के दौरान विद्युत खम्बे/स्टे के पास पानी भराव वाले स्थान से निकलने की जल्दी न करें।

स्वत्ताधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576